सांध्य दैनिक

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्र.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 14 अंक - 244 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, शनिवार 17 जून 2023 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

छत्तीसगढ़ बन रहा देश का मिलेट हब, मिल चुका है राष्ट्रीय अवार्ड

डेढ़ लाख हेक्टेयर में होगी चालू खरीफ सीजन में मिलेट की बोनी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ देश का मिलेट हब बन रहा है। यहां राज्य सरकार द्वारा मिलेट की खेती को प्रोत्साहन देने के फलस्वरूप किसानों का रूझान कोदो, कुटकी और रागी की खेती की ओर तेजी से बढ़ रहा है। राज्य में मिलेट की खेती को बढ़ावा देने के लिए मिलेट मिशन भी प्रारंभ किया गया है। छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज संघ द्वारा वर्ष 2021-22 में 16.03 करोड़ रूपए का 5 हजार 273 टन मिलेट और वर्ष 2022-23 में 39.60 करोड़ रूपए का 13 हज़ार 05 टन मिलेट समर्थन मूल्य पर खरीदा गया है। राज्य में खरीफ वर्ष 2023 में मिलेट्स की खेती का रकबा 96 हजार हेक्टेयर से बढ़ाकर 01 लाख 60 हजार हेक्टेयर करने का लक्ष्य रखा गया है।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की विशेष पहल मिलेट्स की खरीदी समर्थन मूल्य पर की जा रही है। छत्तीसगढ़ देश का इकलौता राज्य है, जहां कोदो, कुटकी और रागी की समर्थन मूल्य पर खरीदी के साथ-साथ इसके वैल्यू एडिशन का काम भी किया जा रहा है। राज्य सरकार द्वारा कोदो-कुटकी की समर्थन मूल्य पर 03 हजार प्रति क्विंटल तथा रागी की खरीदी 3 हज़ार 377 रूपए प्रति क्विंटल तय की गई है। बीते सीजन में बीते सीजन में किसानों ने समर्थन मूल्य पर 34 हज़ार 298 क्विंटल मिलेट्स 10 करोड़ 45 लाख रूपए में बेचा था।

पोषक तत्वों से भरपूर है मिलेट्स

देश के कई आदिवासी इलाकों में मोटे अनाज का काफी समय से प्रयोग किया जाता रहा है। यह स्वास्थ्य की दृष्टि से बहुत फायदेमंद है, इसलिए अब दूसरे इलाकों में भी इन अनाज का काफी इस्तेमाल किया जा रहा है। एक्सपर्ट के मुताबिक कोदो, कुटकी और रागी को प्रोटीन व विटामिन युक्त अनाज माना गया है। इसके सेवन से शुगर बीपी जैसे रोग में लाभ मिलता है। सरगुजा और बस्तर के आदिवासी संस्कृति व खानपान में कोदो, कुटकी, रागी जैसे फसलों का महत्वपूर्ण स्थान है।

14 जिलों में मिलेट की होगी हाई-टेक खेती

राज्य में मिलेट की खेती को प्रोत्साहन, किसानों को प्रशिक्षण, उच्च क्वालिटी के बीज की उपलब्धता तथा उत्पादकता में वृद्धि को ध्यान में रखते हुए राज्य में मिलेट मिशन संचालित है। 14 जिलों ने आईआईएमआर हैदराबाद के साथ छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज संघ के प्रयास से मिलेट मिशन के अंतर्गत त्रिपक्षीय एमओयू भी हो चुका है। छत्तीसगढ़ मिलेट मिशन के तहत मिलेट की उत्पादकता को प्रति एकड़ 4.5 क्विंटल से बढ़ाकर 9 क्विंटल यानि दोगुना किए जाने का भी लक्ष्य रखा गया है।

गौरतलब है कि मिलेट्स की खेती को बढ़ावा देने के मामले में छत्तीसगढ़ राज्य को राष्ट्रीय स्तर का पोषक अनाज अवार्ड 2022 सम्मान भी मिल चुका है। राज्य में मिलेट्स उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए इसको राजीव गांधी किसान न्याय योजना में शामिल किया गया है। मिलेट्स उत्पादक कृषकों को प्रोत्साहन के लिए प्रति एकड़ के मान से 9 हजार रूपए की आदान सहायता भी दी जा रही है। मिलेट्स की खेती में कम पानी और कम खाद की जरूरत पड़ती है। जिसके फलस्वरूप इसकी खेती में लागत बेहद कम आती है और उत्पादक कृषकों को लाभ ज्यादा होता है।

खास - खबर

वन विभाग की गिरफ्त में आए गुलेलबाज शिकारी, इंद्रधनुषी गिलहरी का किया था शिकार

धमतरी। सीतानदी-उदंती अभ्यारण के जंगल में शिकार का मामला सामने आया है। गुलेल मारकर दुर्लभ इंद्रधनुषी गिलहरी का शिकार करने के आरोप में वन विभाग की टीम ने सात लोगों को गिरफ्तार किया है। सभी आरोपित स्थानीय है। मांस खाने के लिए इंद्रधनुषी गिलहरी का शिकार कर रहे थे। केरल और तमिलनाडु में पाई जाने वाली इंद्रधनुषी गिलहरी (इंडियन जायंट गिलहरी) सीतानदी- उदंती अभ्यारण्य के धमतरी जिले के जंगल में भी है। इसका बायोलाजिकल नाम राटुफा इंडिका है। यह विलुप्ति की कगार पर है। स्थानीय लोग इस गिलहरी का मांस खाने के लिए इसका शिकार कर रहे हैं। वन विभाग की पेट्रोलिंग टीम ने शिकार कर लौट रहे ग्राम बिरनासिल्ली के सात लोगों को वन्य प्राणियों के कोर जोन ग्राम आमगांव के पास पकड़ा । आरोपितों में दो नाबालिग भी शामिल हैं। पकड़े गए शिकारियों की तलाशी ली गई, तो उनके थैले से गुलेल, गुल्ला, पानी बाटल, टार्च, टीन (गंजी), ढक्कन सहित माचिस और गिलहरी का कच्चा मांस जब्त हुआ। गिरफ्तार किए गए आरोपित नोमेश 20 वर्ष, अरविंद 22 वर्ष, कांशीराम 20 वर्ष, सुरेन्द्र 23 वर्ष और केशानाथ 20 वर्ष को वन्यजीव संरक्षण अधिनियम 1972 की धारा के तहत कार्रवाई कर गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। वहीं दो नाबालिगों को बालक कल्याण समिति के समक्ष पेश किया जाएगा।

राजधानी सहित 9 जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट, 24 जून तक हो सकती है मानसून की एंट्री

रायपुर। छत्तीसगढ़ में भीषण गर्मी के बीच कई शहरों के लिए लू का अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग की माने तो आने वाले कुछ दिनों तक मौसम में बदलाव के कोई आसार नहीं हैं। उत्तर-पश्चिमी गर्म हवाओं की वजह से अगले 2 दिनों के लिए रायगढ़, जांजगीर-चांपा, बलौदाबाजार, बिलासपुर, मुंगेली, रायपुर, राजनांदगांव, दुर्ग और महासमुंद जिले के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। यहां भीषण गर्मी के साथ लू चल सकती है। राजधानी रायपुर समेत प्रदेश के लगभग सभी जिलों में सुबह से ही तेज गर्मी पड़ रही है। दोपहर के वक्त घर से बाहर निकलना मुश्किल हो रहा है। गर्म हवा के थपेड़ों से लोगों का बुरा हाल है। दिन में जितनी गर्मी का अहसास हो रहा हैं, रातें भी उतनी ही गर्म हैं। शुक्रवार को राजनांदगांव, बिलासपुर, अंबिकापुर, जगदलपुर, दुर्ग, रायगढ़, जांजगीर, मुंगेली, धमतरी और जशपुर जिले में लू के हालात बने हैं।

दुर्ग में धर्मांतरण पर बवाल

महिला व युवती की जमकर हुई पिटाई, थाने में हुआ समझौता

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। शहर के मोहन नगर थाना क्षेत्र में धर्मांतरण पर जमकर बवाल हुआ। उरला बस्ती में एक महिला व युवती पर मतांतरण का आरोप लगाते हुए मोहल्ले वालों ने जमकर धुनाई की। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर मोहन नगर पुलिस मौके पर पहुंची। महिला व युवती के साथ ही मोहल्ले के लोगों को भी पुलिस थाने ले आई। इसके बाद दोनों पक्षों में समझौता हुआ। इस घटना के बाद मौके पर हिन्दूवादी संगठनों का जमावाड़ा लग गया और जय श्रीराम के जयकारे लग रहे थे।

मोहन नगर पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार उरला बस्ती निवासी चित्रलेखा साहू ने अपने घर पर प्रार्थना सभा रखी थी। बताया जा रहा है कि इस दौरान उसके साथ मौजूद एक महिला और युवती लोगों को अपना धर्म बदलवाने के लिए उकसा रही थी। इसकी जानकारी मिलने पर मोहल्ले की महिलाएं बड़ी संख्या में चित्रलेखा के घर पहुंचे। मोहल्ले की महिलाओं व अन्य लोगों को देख चित्रलेखा मौके से फरार हो गई। धर्मांतरण के उकसाने वाली महिला व युवती मोहल्ले वालो के हत्थे चढ़ गई। इसके बाद गुस्साई महिलाओं ने दोनों की जमकर धुनाई कर दी। इसका एक वीडियो भी सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है।

उरला बस्ती के लोगों का आरोप है कि पकड़ी गई महिलाएं बस्ती में प्रार्थना सभा के नाम पर मतांतरण करवा रही थी। जरूरतमंदों को लालच देकर धर्म परिवर्तन कराया जा रहा था। घटना की सूचना मिलने के बाद मौके पर मोहन पुलिस की एक टीम पहुंची। मोहल्ले के लोग धर्मांतरण कराने पहुंची महिला व युवती को थाने लेकर गए। दोनों पक्षों को सुनने के बाद पुलिस ने इनके बीच समझौता करा दिया। बिना शिकायत के ही मामला शांत हो गया।

जिला अस्पताल में तीन दिन में 74 की मौत, प्रचंड गर्मी और लू के बीच मचा कोहराम

बलिया (एजेंसी)। आसमान से आग उगलते धूप का प्रकोप इतना विकराल हो गया है कि अब लोगों की जान मुश्किल में है। प्रचंड गर्मी और लू के बीच बलिया जिला अस्पताल के आंकड़े भयावह हैं। आकंड़ों के मुताबिक, बीते तीन दिन में ही हीट स्ट्रोक से 74 लोगों की मौत हुई है। इन मौतों ने लोगों को हिलाकर रख दिया है।

बलिया जिले में पिछले दो दिन से 43-44 डिग्री सेल्सियस के ऊपर तापमान चल रहा है। डायरिया और लू के मरीजों से सरकारी व निजी अस्पताल के बेड फुल हो गए हैं। जिला अस्पताल की इमरजेंसी में आने वाले अधिकतर मरीजों की मौत हो जा रही है। शुक्रवार सुबह से देर रात तक 25 मरीजों की मौत हुई। इस सप्ताह सबसे ज्यादा मौत (31) गुरुवार को हुई।

हीट स्ट्रोक से कैसे बचें

फिजिशियन डा. पंकज झा ने बताया कि गर्मी को देखते हुए ज्यादा से ज्यादा पानी का सेवन करते रहे। पानी वाले फलों का सेवन करें। खाली पेट रहना खतरनाक हो सकता है। जरूरी हो तभी घर से निकले। थोड़ी सी भी परेशानी होने पर तत्काल विशेषज्ञ चिकित्सक से सलाह लें। झोलाछाप जान भी ले सकते हैं। बच्चों और बुजुर्गों का विशेष ध्यान रखें।

कोरोना काल में भी नहीं हुई थी इतनी मौतें

जिला अस्पताल की इमरजेंसी और वार्डों में भर्ती मरीजों की अचानक मौत की संख्या में इजाफा होने के कारण नि:शुल्क शव वाहन तक नहीं मिले। लोगों को निजी वाहनों से शव लेकर जाना पड़ा। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, एक सप्ताह में 101 मौत हुई है। कर्मचारियों के अनुसार, कोरोना संक्रमण के दौरान भी एक दिन में इतनी मौतें नहीं हुई थीं।

गंगा घाटों पर पूरी रात चिता की आग शांत नहीं हो रही है। 50 वर्ष से ऊपर के बुजुर्ग सबसे ज्यादा मौत की चपेट में आ रहे हैं। अचानक मौत के आंकड़ों में इजाफा होने से अस्पताल प्रशासन में खलबली मची है।

आनन-फानन में इमरजेंसी कक्ष, इमरजेंसी वार्ड सहित अन्य वार्डों में कूलर और एसी लगवाए गए हैं। इसके बाद मरीजों को कुछ राहत मिल रही है। चिकित्सक लोगों को हीट स्ट्रोक से बचाव के उपाय बता रहे हैं।

जिला अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक ने कहा कि डा. दिवाकर सिंह भीषण गर्मी के कारण अचानक डायरिया, हीट स्ट्रोक, तेज बुखार, सांस की समस्या वाले मरीजों की संख्या बढ़ गई। मरीजों को समय से चिकित्सक सुविधा न मिलने के कारण हालत खराब होने पर अस्पताल पहुंच रहे हैं। इससे इलाज के बाद भी हालत में सुधार नहीं हो रहा है।

क्या देश के अन्य प्रधानमंत्रियों ने कुछ नहीं किया? नेहरू मेमोरियल का नाम बदलने पर गरमाई सियासत

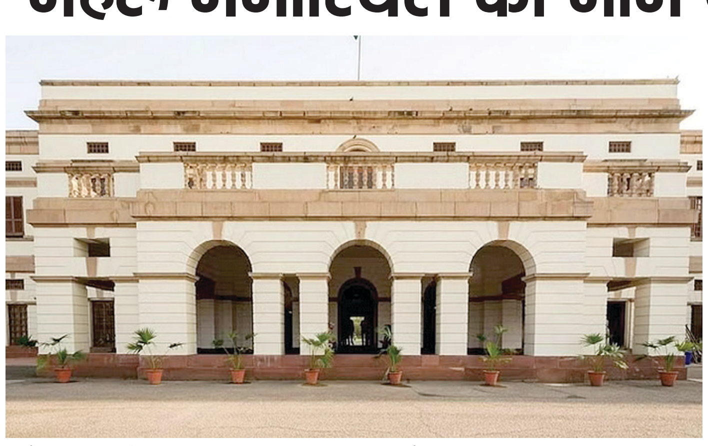

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली स्थित नेहरू मेमोरियल का नाम बदलकर केंद्र सरकार ने प्रधानमंत्री म्यूजियम एंड लाइब्रेरी सोसाइटी कर दिया है, जिसे लेकर सियासत गरमाई हुई है। कांग्रेस जहां इस फैसले के लिए पीएम मोदी पर निशाना साध रही है, वहीं भाजपा का सवाल है कि क्या देश के अन्य प्रधानमंत्रियों ने देश के लिए कुछ नहीं किया?

नेहरू मेमोरियल म्यूजियम एंड लाइब्रेरी सोसाइटी का नाम बदलकर प्रधानमंत्री म्यूजियम एंड लाइब्रेरी सोसाइटी करने पर शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने कहा कि 'मैं इस बात से सहमत हूं कि देश के अन्य प्रधानमंत्रियों के योगदान को भी दिखाया जाना चाहिए। इसके लिए एक अलग सेक्शन बनाकर अन्य प्रधानमंत्रियों के योगदान को दर्शाया जा सकता था लेकिन म्यूजियम का नाम बदलने की जरूरत नहीं थी।'

कांग्रेस नेता गौरव वल्लभ ने कहा कि 'उन्हें लगता है कि बोर्ड से जवाहरलाल नेहरू का नाम हटाने से वह उनके व्यक्तित्व को धूमिल कर सकते हैं। देश के लोग मानते हैं कि आधुनिक भारत के आर्किटेक्ट पंडित नेहरू ही थे। मैं मोदी जी को वाजपेयी जी का एक बयान याद दिलाना चाहता हूं कि- छोटे मन से कोई बड़ा नहीं बन पाएगा। आप देश के सामने तुच्छ मानसिकता दिखा रहे हैं। आप बोर्ड से पंडित नेहरू का नाम मिटा सकते हैं लेकिन आप लोगों के दिल से उनका नाम कैसे मिटाएंगे?

देश में अधिकतर प्रधानमंत्री कांग्रेसी, इस फैसले से सभी को सम्मान दिया जा रहा

सत्ता पक्ष के नेता केंद्र सरकार के फैसले का समर्थन कर रहे हैं। दिल्ली भाजपा के अध्यक्ष विरेंद्र सचदेवा ने कहा कि 'क्या देश के अन्य प्रधानमंत्रियों ने कोई योगदान नहीं दिया? उनमें से अधिकतर कांग्रेसी थे। म्यूजियम किसी एक की संपत्ति नहीं है बल्कि यह देश के सभी प्रधानमंत्रियों को समर्पित है। कांग्रेस को राजशाही में रहने की आदत है।'

भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने सरकार के फैसले का बचाव करते हुए कहा कि 'कांग्रेस एक परिवार के आगे नहीं देख पाती है। यह एक फैमिली लिमिटेड कंपनी है। अगर इस देश के विकास में योगदान देने वाले एचडी देवेगौड़ा, इंद्र कुमार गुजराल, चरण सिंह, चंद्रशेखर आदि प्रधानमंत्रियों को इज्जत दी जा रही है तो इसमें तानाशाही वाली बात कहां है?'

उच्च शिक्षा विभाग ने ली अंगड़ाई

श्रीकंचनपथ

गुस्ताखी माफ - दीपक रंजन दास

छत्तीसगढ़ में उच्च शिक्षा विभाग ने अंगड़ाई ली है। 40 साल बाद यहां कोर्स में परिवर्तन किया गया है। पाठ्यक्रम बदला है, अध्यापन और मूल्यांकन का तरीका भी बदला है। इससे न केवल विद्यार्थी बल्कि प्राध्यापकों को भी पढ़ाई करनी पड़ेगी। पूरे सत्र के दौरान अध्यापन, असाइमेंट, मूल्यांकन और ग्रेड पाइंट्स का दौर चलता रहेगा। नॉन अटेंडिंग स्टूडेंट्स को भी लगातार कालेज में अपनी शक्ल दिखानी पड़ेगी। नया कोर्स सरकारी, निजी और ऑटोनॉमस सभी कॉलेजों में लागू होगा। दावा किया गया है कि नया सिलेबस रोजगार मूलक होगा। डिप्लोमा, डिग्री, ग्रेजुएशन या किसी भी स्तर का कोर्स पूरा करने पर कोई न कोई काम मिल ही जाएगा। नए सिलेबस में किताबी ज्ञान के साथ व्यावहारिक ज्ञान को जोड़ा गया है। कंप्यूटर कोर्स अब सभी पाठ्यक्रमों का अनिवार्य हिस्सा होगा। ऑनर्स का कोर्स करने वाले ही पीएचडी कर सकेंगे। ऑनर्स 75 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण करना होगा। अपर संचालक डॉ। एचपी खैरवार द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि, ऑटोनॉमस कॉलेजों में सेमेस्टर प्रणाली और बाकी कॉलेजों में परीक्षा प्रणाली लागू होगी। नए सिलेबस में ग्रेड सिस्टम है। विद्यार्थी को लगातार असाइनमेंट मिलेंगे। प्रत्येक यूनिट टेस्ट में क्रेडिट मार्क्स मिलेंगे। असाइनमेंट में नंबर नहीं लाए तो इसका असर वार्षिक नतीजों पर पड़ेगा। 1986 के बाद किये गये इन बदलावों को काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। उम्मीद जताई जा रही है कि इससे महाविद्यालय परिसरों में रौनक लौटेगी। खुद को लगातार अपडेट करने वाले अध्यापकों को पढ़ाने में ज्यादा आनंद आएगा। पर यह सिस्टम उन पर भारी पड़ेगा तो 'करत-करत अभ्यास के, जड़मति होत सुजान' के पैटर्न पर चल रहे थे। कालेज ही क्यों, ट्यूशन उद्योग भी इसी पर चलता रहा है। विद्यार्थियों को रटा-रटा कर अच्छे अंक दिलाने के इस धंधे ने नवोन्मेषी अध्ययन-अध्यापन को हाशिए पर धकेल दिया था। वही कोर्स, वही नोट्स, वही अनसाल्व्ड, वही-वही सवाल, वही-वही जवाब और जांचने का भी वही ढर्रा। असाइमेंट विद्यार्थियों को सेल्फ-स्टडी के लिए प्रेरित करेगा और लिखने और विषय को प्रस्तुत करने का अभ्यस्त बनाएगा। उम्मीद है कि इससे विद्यार्थियों के भाषा ज्ञान में सुधार होगा और लेखन शैली में भी सुधार होगा। अभी तो हाल यह है कि 50 प्रतिशत विद्यार्थी ऐसे होते हैं, जिनकी कापी जांचने के लिए परीक्षक को ग्लूकोज पानी की बोतल लेकर बैठना पड़ता है। प्रदेश में ऑनर्स पर पहली बार जोर दिया गया है। ऑनर्स के साथ ग्रेजुएशन की इच्छा रखने वालों को उन राज्यों की ओर पलायन करना पड़ता था, जहां के विश्वविद्यालय इसका अवसर प्रदान करते हैं। जिन्हें उच्च शिक्षा के क्षेत्र में अध्यापन के लिए जाना है, उनके लिए ऑनर्स अनिवार्य हो जाएगा। छोटी-मोटी दिक्कतें हर बदलाव के साथ जुड़ी होती हैं। पर भविष्य को देखते हुए इन बदलावों का स्वागत करना चाहिए। चौपट पड़ी उच्च शिक्षा को संभालने के लिए ये बदलाव जरूरी हैं ताकि बच्चे कालेजों की ओर लौटें। सेमीनार, कार्यशाला और अतिथि अध्यापकों का लाभ लें।

संपादकीय

आगजनी से सबक

राजधानी दिल्ली के मुखर्जी नगर में गुरुवार को एक कोचिंग संस्थान में लगी आग जितनी दुखद है, उतनी ही शर्मनाक भी। दुखद इसलिए कि पढ़ने गए बच्चों को जान बचाने के लिए भागना पड़ा और इस कोशिश में 60 से ज्यादा को चोटें आई हैं। शर्मनाक इसलिए कि कोचिंग संस्थान पुराने हादसों से कोई सबक नहीं ले रहे हैं। आग लगने या किसी अन्य आपदा की स्थिति में बहुमंजिला इमारतों में भी बच निकलने के वैकल्पिक मार्ग नहीं बनाए जा रहे हैं। मई 2019 में सूरत में एक कोचिंग सेंटर में आग लगी थी और 22 विद्यार्थियों की जान चली गई थी। तब भी बहुत जोर-शोर से यह बात उठी थी कि सभी शिक्षा संस्थानों को ऐसी आपदाओं से बचने के लिए तमाम तरह के उपाय कर लेने चाहिए। यह निंदनीय और आपराधिक लापरवाही है कि अभी भी ऐसे संस्थान बड़ी संख्या में धड़ल्ले से चल रहे हैं, जिन्हें बच्चों या छात्रों के जीवन की भी परवाह नहीं है। कम से कम जगह में बड़े से बड़ा संस्थान चलाकर ज्यादा से ज्यादा लागत घटाने और कमाई बढ़ाने का यह कारोबार क्या किसी साजिश से कम है? आखिर यह क्यों न माना जाए कि ऐसे संस्थान जानते-समझते हुए भी छात्रों की जान लेने की साजिश रच रहे हैं? मुखर्जी नगर आगजनी की घटना ने एक बार फिर अग्नि-सुरक्षा मानदंडों के उल्लंघन को सुर्खियों में ला दिया है। जैसी परिपाटी है, हर जिम्मेदार एजेंसी खुद को बचाने की कोशिश में जुट गई है। कोई कह रहा है कि ग्राउंड फ्लोर पर बिजली मीटर के पास शॉर्ट सर्किट के चलते यह हादसा हुआ, तो किसी का कहना है कि वातानुकूलन इकाई में आग या धुआं सबसे पहले देखा गया। ऐसा लगता है, जिम्मेदार एजेंसियां दोष से अपना दामन छुड़ाने में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ेंगी। बाद में मिलकर लीपापोती होगी और मुखर्जी नगर में यथास्थिति में कोचिंग संस्थान चलते रहेंगे! बताया जा रहा है कि यह परिसर पुराना है, दशकों पहले जब यह बना होगा, तब इस पर इतना दबाव नहीं होगा। अब इस इमारत में 250 से ज्यादा छात्र पढ़ने के लिए आते हैं और सुविधा का जो स्तर है, उसकी पोल खुल ही चुकी है। किसी भी मामले में वाणिज्यिक भवन को संचालन के लिए अग्निशमन विभाग से भी अनापत्ति प्रमाण पत्र लेने की जरूरत पड़ती है, लेकिन ऐसा प्रमाणपत्र आज कितने संस्थानों के पास है? युद्ध स्तर पर कम से कम शिक्षण संस्थानों में तो यह पड़ताल कर लेनी चाहिए। जो संस्थान बगैर-प्रमाणपत्र के असुरक्षित चल रहे हैं, उन्हें न केवल तत्काल बंद कर देना चाहिए, बल्कि उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई भी होनी चाहिए। यह हकीकत है कि देश भर के छात्र मुखर्जी नगर में पढ़ने या प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए आते हैं, पर यहां भी ज्यादातर संस्थानों में जीवन बचाव की बुनियादी सुविधाओं का टोटा है। स्वागत है, एक उप महापौर ने कहा है कि एमसीडी उस क्षेत्र की सभी इमारतों की जांच करेगी, जहां कोचिंग सेंटर हैं और यदि उल्लंघन पाया जाता है, तो सख्त दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी, लेकिन हम क्या वाकई ऐसा होते देखेंगे? स्थायी रूप से कड़ी कार्रवाई की परंपरा होनी चाहिए। क्या हम अब सबक लेने को तैयार हैं? सुखद है कि दिल्ली के मुखर्जी नगर में विभिन्न कोचिंग संस्थानों के छात्रों ने गुरुवार को ही विरोध प्रदर्शन किया और सड़क भी जाम किया। कहीं न कहीं छात्रों और अभिभावकों की भी जिम्मेदारी है कि वे उन्हीं संस्थानों या भवनों से सेवा प्राप्त करें, जो सुरक्षा मापदंडों की पूरी पालना करते हैं।

> “ अब इस इमारत में 250 से ज्यादा छात्र पढ़ने के लिए आते हैं और सुविधा का जो स्तर है, उसकी पोल खुल ही चुकी है। किसी भी मामले में वाणिज्यिक भवन को संचालन के लिए अग्निशमन विभाग से भी अनापत्ति प्रमाण पत्र लेने की जरूरत पड़ती है, लेकिन ऐसा प्रमाणपत्र आज कितने संस्थानों के पास है?

मायूसी एक भ्रम है!

हमेशा ऐसा ही रहेगा, जब दुनिया विकास के पथ पर नए मुकाम हासिल करेगी, लेकिन लोग यही कहते सुने जाएंगे कि चीजें पहले बहुत अच्छी थीं। एक ताजा अध्ययन से भी इसी बात की पुष्टि हुई है। लोग मान रहे हैं कि नैतिकता का पतन हो रहा है।

तकरीबन तीन दशक पहले निराशावाद पर एक किताब आई थी। उसमें कहा गया था कि दुनिया में हमेशा ऐसा रहेगा, जब दुनिया विकास के पथ पर नए मुकाम हासिल करेगी, लेकिन लोग यही कहते सुने जाएंगे कि चीजें पहले बहुत अच्छी थीं। एक ताजा अध्ययन से सामने आए निष्कर्ष ने उस किताब की याद ताजा कर दी है। आज अधिकांश लोग यही मान कर चल रहे हैं कि मनुष्य में दया, दूसरे के लिए सम्मान का भाव, और ईमानदारी जैसे गुण खत्म होते जा रहे हैँ। बहरहाल, मनोवैज्ञानिकों ने आगाह किया है कि ऐसी राय सिर्फ एक स्वभावगत भ्रम है। नए अध्ययन की रिपोर्ट मशहूर पत्रिका नेचर के ताजा अंक में प्रकाशित हुई है। अध्ययन 60 देशों में हुए एक सर्वेक्षण पर आधारित है। इस सर्वे के दौरान ज्यादातर लोगों ने यही राय जताई कि बीते छह-सात दशकों में नैतिकता में भारी गिरावट आई है। यह अध्ययन अमेरिका के कोलंबिया बिजनेस स्कूल में अनुसंधानकर्ता एडम मैस्त्रियानी के नेतृत्व में हुआ।

इस दौरान लोगों से एक सवाल यह पूरा गया कि उनकी राय में 2020, 2010 और साल 2000 में कौन सा ऐसा वक्त था, जब स्थितियां बेहतर थीं। दौरान आम राय उभरी की अब दया की भावना और नैतिकता में गिरावट आई है। ऐसी राय हाई स्कूल में पढ़ रहे छात्रों से लेकर उनके माता-पिता की पीढी तक ने जताई। लिबरल से लेकर कंजरवेटिव दोनों तरह के व्यक्तियों को इस मामले में एकमत पाया गया। मगर खुद इसी अध्ययन से जुड़े विशेषज्ञों ने ध्यान दिलाया है कि दशकों पहले हुए सर्वेक्षणों में भी लोगों ने ऐसी ही राय जताई थी। इसका अर्थ यह हुआ कि नैतिक पतन की बात एक भ्रम है। दरअसल, ऐसे कई संभव कारण हो सकते हैं, जिनकी वजह ऐसा भ्रम पैदा होता है। मनोवैज्ञानिकों के मुताबिक इनसान का स्वभाव ऐसा है, जिसमें वह नकारात्मक सूचनाओं पर अधिक ध्यान देता है। इसके अलावा देखा गया है कि मनुष्य की बुरी यादें अच्छी यादों की तुलना जल्दी भूल जाती हैं। ऐसे में अक्सर यह महसूस होता है कि पहले स्थितियां बेहतर थीं। यानी मनुष्य का यही स्वाभाव ऐसे भ्रम का कारण बनता है।

केजरीवाल की नजर लोकसभा चुनाव पर

दिल्ली के रामलीला मैदान में रैली करके आम आदमी पार्टी के नेता अरविंद केजरीवाल ने एक बार फिर अपनी राष्ट्रीय महत्वाकांक्षा जाहिर की है। उन्होंने रैली में जिस अंदाज में भाषण किया और जो मुद्दे उठाए उससे भी लग रहा है कि वे लोकसभा चुनाव को ध्यान में रख कर काम कर रहे हैं। उन्होंने अपने भाषण में 12 साल पहले की याद दिलाई, जब इसी रामलीला मैदान में अन्ना हजारे के नेतृत्व में इंडिया अगेंस्ट करप्शन का आंदोलन चला था। केजरीवाल उस आंदोलन के सूत्रधार थे। तब उस आंदोलन का फायदा भाजपा उठा ले गई थी क्योंकि तब केजरीवाल की पार्टी नई थी और उसके पास पूरे देश में संगठन नहीं था। अब वे पूरे देश में चुनाव लड़ने को तैयार हैं। तभी उन्होंने दिल्ली सरकार के अधिकारियों के तबादले और नियुक्ति को लेकर केंद्र की ओर से लाए गए अध्यादेश को अखिल भारतीय रूप दिया है। केजरीवाल ने कहा कि यह सिर्फ दिल्ली का मामला नहीं है। उन्होंने राजस्थान, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र का जिक्र करते हुए कहा कि कल इस तरह का अध्यादेश किसी भी राज्य में लागू हो सकता है। उन्होंने सभी राज्यों को चेतावनी दी और संविधान से लेकर संघीय ढांचे के खतरे का भय दिखाया। केजरीवाल ने अपने भाषण में 140 करोड़ लोगों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि अध्यादेश के मसले पर देश के 140 करोड़ लोग दिल्ली वालों के साथ हैं।

> “ अमेरिकी सुरक्षा सलाहकार जैक सुलिवन की हालिया दो-दिवसीय यात्रा का मकसद रहा कि मोदी की यात्रा में परिणाम पाने में जहां कहीं कमी दिखे, वह सुधारी जा सके, क्योंकि विषय-वस्तु अधिकांशतः जेट इंजन और उच्च तकनीक सहयोग पर केंद्रित रहने वाला है। तथापि, इस किस्म के रिवायती सैन्य मंचों पर सहयोग के अलावा भारत के लिए असल चुनौती अमेरिका का साझेदार बनकर तकनीकी क्षेत्र में एक बड़ी छलांग लगाना होगा जो हमारी भावी युद्ध शैली को शक्ल देगा।

विकास-शोध में ज्यादा फायदा उठाने का मौका

सी. उदय भास्कर

प्रधानमंत्री मोदी की 21-24 जून की आगामी अमेरिका यात्रा के दौरान भारत-अमेरिका द्विपक्षीय रिश्तों में शिखर वार्ता स्तर की राजनीतिक दिलचस्पी और नीति संबंधी विमर्श होने की आस है। कार्यसूची में व्हाइट हाउस में राष्ट्रपति बाइडेन द्वारा रिवायती स्वागत समारोह और अमेरिकी संसद के संयुक्त सदनों को प्रधानमंत्री मोदी का संबोधन शामिल है। इस किस्म का शिष्टाचार द्योतक है उस विशेष सम्मान का, जब अमेरिका को किसी मुल्क और उसके नेता को तरजीह देनी होती है।

इस यात्रा का एक मुख्य पहलू रक्षा क्षेत्र में सहयोग बनाना है। अतएव यात्रा से पूर्व, मंत्री और वरिष्ठ अधिकारी स्तर पर मिल-जुलकर काफी तैयारियां की गई हैं। इस सिलसिले में अमेरिकी रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन ने नयी दिल्ली में 5 जून को भारतीय समकक्ष राजनाथ सिंह से मुलाकात की है। वार्ता का मुख्य ध्यान रक्षा क्षेत्र में दोनों देशों के बीच औद्योगिक स्तर का सहयोग बनाने पर केंद्रित रहा। दोनों पक्ष आपसी सलाह से नये और वर्तमान तकनीक सहयोग की शिनाख्त करने एवं दोनों मुल्कों के बीच रक्षा संबंधी नव-उद्यमों के लिए सहयोग में इजाफा करने को तैयार हैं।

दोनों राष्ट्रों ने हालिया नई पहल यानी रक्षा के तमाम क्षेत्रों में द्विपक्षीय रक्षा सहयोग को विस्तारार्थ उन्नत और परिष्कृत रक्षा तकनीक सहयोग के लिए भारत-अमेरिका उन्नत गतिमान तंत्र (इंडस-एक्स) बनाने के फैसले का स्वागत किया है। साथ ही, भारतीय विदेश सचिव विनय मोहन क्वात्रा ने 6 जून को वाशिंगटन पहुंचकर भारत-अमेरिका सामरिक सहयोग वार्ता में भाग लिया। इसका उद्देश्य महत्वपूर्ण तकनीकी क्षेत्र सहयोग में आगे विस्तार और व्यापार संभावनाओं की पहचान करना था। इसमें सेमीकंडक्टर, अंतरिक्ष, टेलीकॉम, क्वांटम, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, बायोटेक और अन्य विधाएं शामिल हैं। जाहिर है तकनीक सहयोग का यह परिदृश्य बहुत बृहद है। कार्यसूची में जो विषय ज्यादा ध्यान खींचता है, वह है, अमेरिका निर्मित जीई एफ-414 जेट इंजन। उम्मीद है इस पर सहमति बन जाएगी। इससे यह इंजन संयुक्त रूप से विकसित करने का मौका हमें मिल जाएगा। यह स्वदेशी लड़ाकू विमान बनाने में बहुत मददगार होगा, जो अब तक इस किस्म की क्षमता से महरूम है।

अमेरिकी सुरक्षा सलाहकार जैक सुलिवन की हालिया दो-दिवसीय यात्रा का मकसद रहा कि मोदी की यात्रा में परिणाम पाने में जहां कहीं कमी दिखे, वह सुधारी जा सके, क्योंकि विषय-वस्तु अधिकांशतः जेट इंजन और उच्च तकनीक सहयोग पर केंद्रित रहने वाला है। तथापि, इस किस्म के रिवायती सैन्य मंचों पर सहयोग के अलावा भारत के लिए असल चुनौती अमेरिका का साझेदार बनकर तकनीकी क्षेत्र में एक बड़ी छलांग लगाना होगा जो हमारी भावी युद्ध शैली को शक्ल देगा। मोटे तौर पर, सहयोग के नए क्षेत्रों में अंतरिक्ष, जलगत, साइबर, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसी महत्वपूर्ण तकनीक हैं।

लेकिन क्या भारत अमेरिका के साथ प्रभावी सहयोग करने की स्थिति में है ताकि तकनीकी क्षेत्रों में प्राप्त नवीन ज्ञान के आधार पर आत्मनिर्भरता पाने में सही मायने में बड़ी छलांग बन सके? यहीं पर शब्द 'सर्वतंत्र' पर ध्यान केंद्रित होता है और मौजूदा हालातों के आधार पर, लगता है ढांचागत और व्यवस्थात्मक कमियों के चलते भारत के पास वह आवश्यक तंत्र नहीं है जिससे अमेरिका के साथ अर्थपूर्ण सहयोग पूरा परिणाम दे सके और आत्मनिर्भरता के प्रयासों में तेजी बन सके और यही अंतिम उद्देश्य भी है।

नई परिष्कृत तकनीकों में प्रवीणता पाने की मात्रा, हमारी ज्ञान-ग्राह्यता की थाह और अनुसंधान एवं विकास के लिए निरंतर निवेश करने पर निर्भर होगा। अनुसंधान एवं विकास और नई खोजों के क्षेत्र में अमेरिका को दुनियाभर में अव्वल माना जाता है, चीन दूसरे पायदान पर है और अगले कुछ दशकों में पहले स्थान के लिए दृढ़-संकल्प है। किसी देश की तकनीकी क्षमता का सूचकांक उसके वैज्ञानिकों द्वारा विज्ञान एवं इंजीनियरिंग संबंधित पत्रिकाओं में आलोचनात्मक विवेचनार्थ पेश किए खोज-पत्रों की संख्या है। वर्ष 2020 में चीन ने 6,69,000 खोज-पत्रों के साथ अमेरिका (4,56,000) को पछाड़ दिया। 1,49,000 खोज-पत्रों के साथ भारत तीसरे स्थान पर रहा। भारतीय ढांचे में अनुसंधान एवं विकास क्षेत्र में निवेश की मद में कमी सबसे बड़ी विद्रूपता है, जबकि यह अवयव नई खोज के आधार पर वास्तविक प्रारूप तैयार करने और आगे उत्पादन प्रणाली की नींव है। भारत अपने सकल घरेलू उत्पाद का महज 0.7 प्रतिशत अनुसंधान एवं विकास पर खर्च करता है, जो कि अमेरिका (2.8), चीन (2.1), इस्राइल (4.3) और दक्षिण कोरिया 4.6 फीसदी से कहीं कम है।

हालांकि, डीआरडीओ सरकारी धन से चालित एक मुख्य रक्षा अनुसंधान इकाई है, लेकिन यह भी सार्वजनिक क्षेत्र की इकाइयों को दरपेश मुश्किलों और जरूरत से कम धन मिलने से ग्रसित है। भारत का कॉर्पोरेट सेक्टर भी अनुसंधान एवं विकास क्षेत्र के प्रति उदासीन है, फॉर्ब्स पत्रिका में भारत के इस 'बंजर परिदृश्य' की चौंकाने वाली तस्वीर पेश की गई है। यह लेख पांच देशों की सबसे ज्यादा मुनाफा कमाने वाली कंपनियों की तुलना करते हुए बताता है कि वर्ष 2021 में अमेरिकी कंपनियों ने अनुसंधान एवं विकास के लिए 152 बिलियन डॉलर, चीन (31 बिलियन) जापान (37 बिलियन), जर्मनी (53 बिलियन) और भारत में 0.9 बिलियन डॉलर लगाए। यह निवेश राशि कुल कमाए मुनाफे में, अमेरिका (37 फीसदी), चीन (29), जापान (43) जर्मनी (55) तो भारत 2 प्रतिशत का रहा। हमारी स्थिति अपनी कहानी खुद बयान करती है अर्थात् अनुसंधान एवं विकास पर सतत निवेश करना नई खोज और दीर्घकाल में व्यावसायिक लाभ पाने लिए पूर्व-शर्त है।

अतएव, भारत को अपने अनुसंधान एवं विकास तंत्र को सींचना होगा। इससे आत्मनिर्भरता पाने की दिशा में शिक्षा संबंधित ढांचागत कमियां भी दूर हो सकेंगी। आज तकनीक और ज्ञान में बदलावों की गति बहुत तेज है और विश्व के अग्रणी उच्च शिक्षा संस्थानों में अनुसंधान कर रहे युवा वैज्ञानिक इसके वाहक हैं। हमारे यहां शैक्षणिक योग्यता वर्गीय विचारधारा और राजनीतिक हितों की भेंट चढ़ रही है, जिससे ज्ञान की खोज का उत्साह मर रहा है। अमेरिका से उच्च-तकनीक क्षेत्रों में अर्थपूर्ण सहयोग का लाभ उठाने की काबिलियत के लिए जो तंत्र चाहिए, वह अनुसंधान एवं विकास के ढांचे के लिए रखे गए मौजूदा न्यून धन से पल्वित नहीं हो सकता। अफसोस, यही नग्न सच्चाई है।

(लेखक सोसायटी फॉर पॉलिसी स्टडीज संस्थान के निदेशक)

किसानों के लिए फायदेमंद है स्वदेशी बीजों का संरक्षण

अमरेंद्र किशोर, वरिष्ठ पत्रकार

यह खबर कितना सुकून देती है कि ओडिशा के कंधमाल जिले में आदिवासी महिलाएं स्वदेशी बीजों का संरक्षण पीढ़ियों से करती आ रही हैं। कंधमाल ही क्यों, मध्य प्रदेश के बालाघाट, महाराष्ट्र के अहमदनगर, बंगाल के झाड़ग्राम और राजस्थान के बांसवाड़ा जिलों के परंपरा-पसंद रहवासियों द्वारा बीजों के संग्रह की खबरें पहले ही आ चुकी हैं। चूंकि स्वदेशी बीजों के उपयोग से कई तरह के पर्यावरणीय, वित्तीय और खाद्य सुरक्षा लाभ हैं, इसीलिए इस ओर अब लोगों का रुझान बढ़ता जा रहा है। बीजों के संग्रह की पारंपरिक पद्धतियों में जुटे किसान यह बताते हैं कि स्वदेशी बीजों की वजह से उनकी फसल-लागत कम होती है। कहना गलत नहीं होगा कि जब से दुनिया भर के मुल्कों के महिला स्वयं सहायता समूहों व संगठनों के साथ समाज की घनिष्ठता बढ़ी है, स्वदेशी बीजों के संरक्षण की चिंता भी बढ़ी है।

दुनिया के तमाम छोटे-बड़े खाद्य संगठनों के बीच अब यह मामला विचारणीय है कि खाद्य सुरक्षा का सीधा नाता स्वदेशी बीजों के संरक्षण के साथ किस हद तक है। मुश्किल यह है कि आजादी के 75 साल बीत जाने के बाद भी भारत में दूरस्थ एवं वन्य अंचलों के बंद-आत्मकेंद्रित समाज के पारंपरिक ज्ञान का दस्तावेजीकरण नहीं हो सका है। अब इसकी जरूरत समझी जाने लगी है। स्वदेशी बीजों की महत्ता लगातार बढ़ती जा रही है। कोविड-19 महामारी के दौर में बेशक यात्रा प्रतिबंधों के कारण कई किसानों को बीज खरीदने के लिए बाधाओं से गुजरना पड़ा, मगर खबर यही है कि तब विदर्भ-मराठवाड़ा के गांवों में मौजूद स्वदेशी बीज भंडारों में पर्याप्त अधिशेष, यानी सरप्लस बीज थे। उसी दौरान मध्य प्रदेश के बालाघाट और महाराष्ट्र के अहमदनगर जिले के एक छोटे से गांव कोंभलने में ऐसे बीज बैंकों की पहरुआ महिला किसानों ने देश की ग्रामीण आबादी को यह बताया कि देशज बीज संरक्षण से उनको बाजार में बीज खरीदने की नौबत नहीं आएगी। साथ ही, उन्होंने यह भी सलाह दी कि कैसे किसान समय के साथ अपने घर पर ही बीज बैंक बना सकते हैं। राजस्थान के बांसवाड़ा जिले के लोटमारा गांव में गोंड और बैगा आदिवासी महिला स्वयं सहायता समूहों द्वारा संचालित एक सामुदायिक बीज बैंक है भी, जहां किसान देसी बीजों की अदला-बदली कर सकते हैं।

असल में, हरित क्रांति के मद्देनजर संकर प्रजातियों और रासायनिक उर्वरकों का अंधाधुंध प्रयोग किया गया। इस कारण कई फसलों के देसी बीज उपेक्षित हो गए और उनकी फसल खत्म होने लगी। धान की जननी करहनी पर तो सबसे ज्यादा मार पड़ी। इसकी खासियत है कि यह बालियां निकलने से पहले ही पक जाता है और बारिश नहीं होने पर भी किसानों की क्षति नहीं होती है। अहमदनगर जिले में कोंभलने गांव में इन दिनों संकर बीजों के खिलाफ महिला किसानों के बीच 'बीज स्वराज' या बीज स्वतंत्रता अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत अनेक किस्म की दालों, सब्जियों, चावल, औषधीय जड़ी-बूटियों व अन्य फसलों की करीब 200 देसी बीज किस्मों का संरक्षण किया गया है, जिससे इस गांव को राष्ट्रीय पहचान मिली है। वहां देसी बीजों को ज्यादातर मिट्टी के बर्तनों में सुखाने और उन पर राख छिड़कने के बाद रखा जाता है। यह अभियान राजस्थान, गुजरात और मध्य प्रदेश के आदिवासी बहुल जिलों में फैलता जा रहा है।

ध्यान रहे, पारंपरिक धान के बीजों की अपेक्षा हाइब्रिड धान के बीजों में तीन गुना अधिक पानी की जरूरत पड़ती है, जिसके बाद भी जमीन को पर्याप्त आवश्यक तत्व प्राप्त नहीं होते। इतना ही नहीं, हाइब्रिड बीज के लगातार प्रयोग के बाद जमीन बंजर हो जाती है। इसलिए, उन परंपराओं को पुनर्जीवित किया जाना जरूरी है, जो गांवों को आर्थिक तौर से संपन्न रखते थे। इस दिशा में एक लाख करोड़ की लागत से सरकार सहकारी समितियों के क्षेत्र में विश्व की सबसे बड़ी खाद्यान्न भंडारण योजना के लिए नीति लाने का मन बना रही है, लेकिन बीज बैंक को लेकर सरकार की ओर से किसी पहल का अब भी इंतजार है। यदि गांव के स्तर पर बीज बैंक स्थापित किए जाएं, तो पौष्टिक अनाज उपजाने की संभावना हर गांव में मुमकिन है। हर गांव का अपना बीज हो, इससे बढ़िया बात और क्या होगी? बीज स्वदेशी होंगे, तो कम पानी की लागत से खेती होगी और माटी की सेहत भी दुरुस्त होगी।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

रीपा से ग्रामीण युवा उद्यमियों के सपनों को मिल रहा है नया आयाम

मनोज सिंह, सहायक संचालक

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की पहल पर ग्रामीण गरीब परिवारों के लिए रोजगार और आय के साधन उपलब्ध कराने के लिए गांव के गौठानों को रूरल इंडस्ट्रियल पार्क के रूप में विकसित किया जा रहा है जहां विभिन्न आजीविका मूलक गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। योजना के तहत प्रथम चरण में प्रत्येक विकासखण्ड में दो गौठानों का चयन किया गया है।

ग्रामीण आजीविका पार्क में ग्रामीणों को आजीविका संवर्धन के लिए शासन की ओर से मूलभूत सुविधाएं, आधारभूत संचरना जैसे आंतरिक सड़क, विद्युत, जल एवं नाली व्यवस्था, वर्कशेड, भण्डारण, प्रशिक्षण, मार्केटिंग सपोर्ट, तकनीकी मार्गदर्शन इत्यादि उपलब्ध कराए जा रहे हैं। योजना में इच्छुक स्थानीय युवाओं, स्व-सहायता समूहों का चिन्हांकन कर उद्यमियों को बिजनेस प्लान के आधार पर मशीनरी तथा बैंक से ऋण, विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत पात्रतानुसार अनुदान, सब्सिडी अथवा शून्य ब्याज दर पर ऋण लेने की सुविधा भी उपलब्ध कराई जा रही है जिससे गौठानों में स्थापित ग्रामीण औद्योगिक केन्द्रों में काम करने वाले ग्रामीण युवा उद्यमियों के सपनों को एक नया आयाम मिल रहा है।

ग्रामीण गरीब परिवारों के लिए इंडस्ट्रियल पार्क बन रहा है अतिरिक्त आय का साधन

महासमुंद जिले के बिरकोनी गौठान में महिला स्व-सहायता समूह दोना पत्तल बनाने के काम से जुड़कर आमदनी में वृद्धि कर आत्मनिर्भर बन रही है। नारी शक्ति स्व-सहायता महिला समूह में 10 महिलाएं है। पहले समूह की महिलाएं सिर्फ पैसा बचत करने तक ही सीमित थी। लेकिन हाल ही में बिरकोनी गौठान में महात्मा गांधी रूरल इंडस्ट्रियल पार्क (रीपा) के अंतर्गत स्थापित उद्यम महिलाओं ने दोना पत्तल बनाने का काम शुरू किया। समूह की ब्लॉक प्रोजेक्ट मैनेजर (बीपीएम) सुश्री रेखा रानी नगपुरे ने बताया कि पहले यह कार्य ग्राम संगठन द्वारा किया जाता था। ग्रामीण आजीविका मिशन से मदद मिली वहीं अब रीपा के तहत स्थापित दोना पत्तल मशीन के आ जाने से काफी सहूलियत हुई है। हाल ही में रीपा में दोना पत्तल की मशीन लगायी गयी है। प्रशासन से प्रशिक्षण के बाद काम शुरू किया गया है। अभी गांव व आसपास के क्षेत्रों में होने वाली शादी में 25 हज़ार से ज़्यादा दोना-पत्तल बेच कर 15 हज़ार रूपए का मुनाफा हुआ है। समूह द्वारा तैयार किया गया दोना पत्तल की मांग आसपास के गांव तथा शहर में की जा रही है। समूह की महिलाओं ने कहा उनका दोना पत्तल का काम काफी अच्छे से चल रहा है। इससे समूह को काफी फायदा हो रहा है।

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करे:-
9827806026,
7869620239

Sargam
Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair

DURG:-
Near Tarun Adlabs
Station Road, Durg (C.G.)
Durg, Ph. 2330588, 9826660688

RAIPUR:-
Near Manju Mamta
Reaustaurant, M.G. Road
Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी

JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बैंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

श्रीकंचनपथ
छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com WWW.ONLYTDS.COM

खास खबर

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की आमसभा भव्य एवं ऐतिहासिक होगी - भूपेंद्र सवन्नी

दुर्ग। केंद्रीय सहकारिता एवं गृह मंत्री अमित शाह की विशाल जनसभा का आयोजन आगामी 22 जून को दुर्ग के रविशंकर स्टेडियम में रखा गया है, उक्त कार्यक्रम को लेकर गुरुवार को रविशंकर स्टेडियम में दुर्ग संभाग प्रभारी एवं भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष भूपेंद्र सवन्नी और जिला भाजपा अध्यक्ष जितेंद्र वर्मा के साथ प्रमुख नेताओं ने सभा स्थल का अवलोकन किया। अवलोकन के दौरान उपस्थित नेताओं के द्वारा मंच, सामने बनने वाले डोमशेड, पार्किंग, वीआईपी एंट्री का मैप तैयार किया। इस अवसर पर दुर्ग संभाग प्रभारी एवं भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष भूपेंद्र सवन्नी ने कहा कि देश के गृह मंत्री अमित शाह का दुर्ग आगमन बहुत महत्वपूर्ण है। दुर्ग जिला भाजपा संगठन की लगातार सक्रियता को देखते हुए इस आयोजन का अवसर उन्हें मिला है। यह आमसभा इतनी भव्य और ऐतिहासिक होगी, जिसकी कल्पना भी किसी ने नहीं की होगी। स्थल निरीक्षण के दौरान जिला भाजपा महामंत्री ललित चंद्राकर, सुरेंद्र कौशिक, जिला भाजपा उपाध्यक्ष एवं अहिवारा नगर पालिका अध्यक्ष नटवर ताम्रकार, जिला उपाध्यक्ष विनायक नातू, केएस चौहान, जिला कोषाध्यक्ष विनोद अरोरा, सह कोषाध्यक्ष नीलेश अग्रवाल, व्यापार प्रकोष्ठ के प्रदेश सह संयोजक कांतिलाल बोथरा, मीडिया प्रभारी राजा महोबिया, सोशल मीडिया प्रभारी रजनीश श्रीवास्तव, भाजयुमो प्रदेश कार्यसमिति सदस्य मनीष पांडेय शामिल रहे।

निगम क्षेत्र में आवारा घूमने वाले मवेशियों की हुई धरपकड़

भिलाई। भिलाई निगम क्षेत्र अंतर्गत रोका छेका अभियान के तहत आवारा मवेशियों को पकड़ने के लिए अभियान चलाया जा रहा है। निगम क्षेत्र में अवाारा घूमने वाले मवेशियों से किसी को परेशानी न हो इसे देखते हुए भिलाई निगम की टीम सभी जोन क्षेत्रों में तिथि वार आवारा पशुओं को पकड़ने अभियान चला रही है। अभियान के तहत आवारा पशुओं को पकड़ कर गौठान भेजा गया है। आवारा मवेशियों को पकड़ने के लिए विशेष अभियान चलाने के लिए आयुक्त रोहित व्यास ने निर्देश दिए हैं। रोका छेका अभियान के तहत आवारा मवेशियों को पकड़ने टीम शहर में विभिन्न संसाधनों के साथ घूम-घूम कर आवारा मवेशी को पकड़ रहे हैं। काऊ केचर वाहन में मवेशियों को डालकर सीधे गौठान में छोड़ा जा रहा है। भिलाई निगम की टीम मुख्य रूप से शहर के सभी मार्केट क्षेत्र तथा अंदरूनी क्षेत्र की सड़कों के किनारे घूमने वाले मवेशियों को टारगेट करते हुए मार्केट, सर्विस रोड, सार्वजनिक स्थान, तथा जीई रोड के किनारे चलने वाले आवारा मवेशियों को पकड़ रही है। आवारा पशुओं के कारण वाहन चालकों एवं मार्केट में खरीददारी के लिए आने वाले लोगों को समस्या से निजात दिलाने निगम की टीम पशुओ को पकड़ने की कार्रवाई कर रहे हैं।

मंत्री अकबर ने बोड़ला विकासखंड के 10 नए प्राथमिक शाला भवन निर्माण कार्य का किया भूमिपूजन

सुदूर वनांचल क्षेत्रों में नवीन स्कूल भवन निर्माण से शिक्षा का आधार होगा मजबूतः मंत्री अकबर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री मोहम्मद अकबर आज कबीरधाम जिले के एक दिवसीय प्रवास के दौरान सुदूर वनांचल क्षेत्र बोड़ला विकासखंड के विभिन्न 10 ग्राम पंचायतों में 01 करोड़ 14 लाख 80 हजार रूपए की लागत से स्वीकृत स्कूल शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करते हुए 10 प्राथमिक शाला भवनों के निर्माण कार्य के लिए भूमिपूजन किया। इनमें 11.48-11.48 लाख रुपए की लागत से ग्राम पंचायत धनवाही, पीपरखुंटा, बाघामारा, सुखझर, भुरसीपकरी, झोलाबहरा, खुर्रीपानी, गुडली, पाखापानी, काशीपानी में प्राथमिक शाला भवन निर्माण का भूमिपूजन कार्य शामिल है।

मंत्री श्री अकबर ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि शिक्षा एक ऐसा माध्यम है जिससे जीवन में सफ्लता मिलती है। सुदूर वनांचल क्षेत्रों में नवीन स्कूल भवन निर्माण होने से शिक्षा का आधार मजबूत होगा। बच्चों के शिक्षा से जुड़ने से क्षेत्र का विकास होगा। साथ ही आने वाले पीढ़ी शिक्षा के महत्व को समझेगें और पढ़ाई के प्रति रूचि लेते हुए शिक्षा से जुड़ेगे।

उन्होंने कहा कि सुदूर वनांचल क्षेत्रों में शिक्षा को पहचानने के लिए शासन वहां स्कूल का निर्माण कर रही है। जिसका मुख्य लक्ष्य प्रत्येक बच्चों के शिक्षा से जोड़ना है। शासन शिक्षा के क्षेत्र में लगातार कार्य कर रही है। बच्चों को अच्छी शिक्षा उपलब्ध हो सके इसके लिए नवीन स्कूल भवनों का निर्माण और जीर्णोद्वार किया जा रहा है। बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए सभी सुविधा मुहैया कराई जा रही है। शिक्षा के अधिकार के तहत निःशुल्क शिक्षा प्रदान की जा रही है।

मंत्री श्री अकबर ने बताया कि अंग्रेजी में शिक्षा उपलब्ध कराने स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल प्रारंभ किए गए हैं। जहां बच्चों को निःशुल्क शिक्षा दी जा रही है। लैब, लाइब्रेरी सहित सभी जरूरतों को पूरा कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रतिभावान छात्रों को आगे बढ़ाने के लिए योजना के अंतर्गत छात्रवृत्ति प्रदान किया जा रहा है। जिससे अब वनांचल क्षेत्र में रहने वाले बच्चे राष्ट्रीय स्तर के परीक्षा में चयनित होकर इंजीनियरिंग और डॉक्टर की पढ़ाई कर रहे हैं, वही प्रतियोगी परीक्षाओं में भी चयनित होकर अपनी सेवा दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि बच्चों के स्वास्थ्य, पोषण और शिक्षा के लिए शासन लगातार कार्य कर रही है। इसके लिए विभिन्न योजनाओं के माध्यम से लाभ पहुंचाया जा रहा है।

कार्यक्रम में ग्राम पंचायतों में संचालित स्कूलों को बेहतर बनाने के लिए शैक्षणिक प्रबंधन के लिए करोड़ों रूपए की सौगात मिलने पर संबंधित ग्राम वासियों ने मंत्री अकबर के प्रति अभार व्यक्त किया है। इस अवसर पर पीताबंर वर्मा, होरी साहू, कृषि उपज मंडी अध्यक्ष नीलकंठ साहू, उपाध्यक्ष चोवा साहू, जिला पंचायत सदस्य मुखीराम मरकाम सहित क्षेत्र के जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

बीएसपी द्वारा आयोजित ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर-2023 का समापन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र तत्वाधान में क्रीड़ा, सांस्कृतिक एवं नागरिक सुविधाएं विभाग द्वारा आयोजित ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर का समापन 15 जून 2023 को पंत स्टेडियम, सेक्टर-1 के फुटबाल ग्राउंड में संध्याकाल सम्पन्न हुआ। समापन समारोह के अवसर पर भिलाई इस्पात संयंत्र के निदेशक प्रभारी अनिर्बान दासगुप्ता मुख्य आतिथि के रूप में उपस्थित थे।

मुख्य आतिथि निदेशक प्रभारी अनिर्बान दासगुप्ता ने बच्चों के जोश को देखते हुए बीएसपी द्वारा आयोजित खेलों के महत्व, बारीकियों और गरिमा के संबंध में बहुत ही संक्षिप्त प्रकाश डालते हुए राष्ट्रीय स्तर पर खेलने की कामना की। प्रतिभागियों के उत्साह को देखते हुए वे अत्यंत आनंदित हुए। उन्होंने सभी खेलों के लिए, खिलाड़ियों, बीएसपी प्रबंधन के सक्रिय सहयोग और क्रीड़ा, सांस्कृतिक एवं नागरिक सुविधाएं विभाग के कार्मिकों को इस प्रशिक्षण के सफ्ल आयोजन हेतु बधाई और उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएँ दी।

समारोह की अध्यक्षता कर रहे श्री सुब्रत मुखोपाध्याय ने कहा कि 35 दिनों के इस प्रशिक्षण शिविर में सभी बच्चों के उत्साह को देखते हुए पता चलता है, कि बच्चों ने मोबाईल स्क्रीन टाइम के बदले शानदार प्रदर्शन और भाईचारा का आनंद उठाया। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि मैं आशा करता हूं जो मित्रता, हर्षोल्लास और प्रशिक्षण आप यहां से लेकर जा रहे हैं वह निश्चित तौर पर आपके अगले स्तर पर अनुभव का काम करेगा। इस खेल प्रशिक्षण शिविर से जो आनंद भरी स्मृति आप लेकर जा रहे हैं, यही हमारी वास्तविक प्राप्ति है।

समापन समारोह में स्वागत उद्बोधन देते हुए मुख्य महाप्रबंधक (पर्सनल) संदीप माथुर ने ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की। कहा कि खेल बच्चों के शारीरिक व मानसिक विकास, समयबद्धता एवं अनुशासन साथ-साथ बच्चों की ऊर्जा को सकारात्मक दिशा देने के लिए भी महत्वपूर्ण है जिससे इन प्रतिभाओं को परिष्कृत किया जा सके। बीएसपी प्रबंधन का ये लक्ष्य है कि ऐसे खेल गतिविधियों के माध्यम से उनके कर्मियों व परिजनों, खिलाडियों व बच्चों के प्रतिभा को उजागर किया जाय। उन्होंने खेल में बच्चों के उत्साह को देख हर्ष जताया।

एसआर हॉस्पिटल में नेत्र परीक्षण के बाद 54 मरीजों को दिए गए निःशुल्क चश्मे, एक माह पहले हुई थी जांच

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। एसआर हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर चिखली दुर्ग द्वारा समय समय पर निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन कराया जाता है। इसी कड़ी में बीते 19 मई को विशाल स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में सैकड़ों लोगों ने अपनी आंखों की जांच कराई। जिनमें से 54 ऐसे थे जिन्हें डॉक्टरों ने चश्मा लगाने की सलाह दी। उक्त सभी 54 लोगों को एसआर हॉस्पिटल प्रबंधन द्वारा निःशुल्क चश्मा बनवाकर शुक्रवार को इसका वितरण किया गया।

कार्यक्रम में वरिष्ठ कांग्रेस नेता धर्मेन्द्र यादव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए। इस दौरान अस्पताल के चेयरमैन संजय तिवारी एवं वरिष्ठ चिकित्सक डॉ एस पी केसरवानी द्वारा निः शुल्क चश्मा वितरण किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि धर्मेंद्र यादव विशेष अतिथि अखिलेस सिंह द्वारा भगवान श्री धन्वंतरी के तैलचित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्वल कर पूजा अर्चना की गई। मुख्य अतिथि द्वारा प्रदेश वासियों के स्वास्थ्य रहने की मंगल कामना करते हुए अस्पताल द्वारा किए जा रहे सेवा कार्यों की भूरी भूरी प्रशंसा की गई। कार्यक्रम में डॉ आर के दिवाकर, डॉ अश्वनी शुक्ला, डॉ हिमांशु चन्द्राकार, डॉ शिव पटेल, हरी साहू, प्रेम चंद्राकर, जगजीत नारायण पांडेय, राजेश त्रिपाठी, अजय अग्रवाल, अर्चना वर्मा, ज्योति साहू, रामचंद्र देशमुख, प्रियेश मिश्रा, प्रवीण गुप्ता, गेंदलाल वर्मा, सीमा शर्मा, निशा साहू, यमुना पटेल, रीतू पाटील, स्वाती निषाद, रत्ना तिवारी, भारती सिंह, करुणा निषाद, रेखा पारकर, डिकेश चंदेल, रुपा चेलक, अफ्सार, निशा, लोकेश्वरी निषाद, धर्मेन्द्र देवांगन, संजय मानिकपुरी सहित अन्य स्टाफ उपस्थित रहा।

आत्मानंद स्कूल का सेटअप और इंफ्रास्ट्रक्चर बढ़ाने प्रस्ताव पारित

श्रीकंचनपथ न्यूज

रिसाली। रिसाली आत्मानंद इंग्लिश मीडियम स्कूल की मांग को देखते हुए सेटअप और इंफ्रास्ट्रक्चर बढ़ाने प्रस्ताव पारित कर शासन को भेजा गया है। महापौर शशि सिन्हा की अध्यक्षता में परिषद की बैठक में प्रस्ताव शासन को भेजने का निर्णय लिया गया। परिषद के सद्स्यों का कहना था कि सेटअप स्वीकृत होने से कक्षाए बढ़ेगी।

वर्तमान में रिसाली आत्मानंद स्कूल में 11 वी तक कक्षाए संचालित हो रही है। सद्स्यों का कहना था कि वर्तमान में सीट कम है। इस वजह से आम लोगों को लाभ नहीं मिल रहा है। सीट की संख्या और आवश्यकता अनुसार इंफ्रास्ट्रक्चर बनने से अधिक बच्चों को अच्छी शिक्षा मिलेगी। बैठक में एमआईसी चन्द्रभान ठाकुर, गोविन्द चतुर्वेदी, अनुप डे, सनीर साहू, चन्द्रप्रकाश सिंह निगम, परमेश्वर कुमार, सोनिया देवांगन, ईश्वरी साहू, निगम सचिव रोहित साहू, प्रभारी कार्यपालन अधिकारी आर.के. जैन, सहायक अभियंता अखिलेश गुप्ता समेत विभाग प्रमुख उपस्थित थे। महापौर परिषद के सद्स्यों ने निगम का स्त्रोत बढ़ाने मंथन किया। सद्स्यों ने कहा कि निगम क्षेत्र में 6 बड़े व छोटे साप्ताहिक बाजार लगता है। पसरा लगाने वालों को बिजली उपलब्ध कराने अब ठेका दिया जाएगा। टेंडर के आधार पर ही जनरेटर सुविधा उपलब्ध होगा। निगम क्षेत्र के ओवर हेड टैंक का 2 बार रंग रोंगन किया जाएगा। साथ ही प्रचार प्रसार के लिए संसाधन के रूप में उपयोग किया जाएगा। इसके लिए एजेंसी तय किया जाएगा। साथ ही सड़क किनारे सूचना बोर्ड लगाने वालों के लिए राशि निर्धारित की गई है। बिना अनुमति बोर्ड लगाने वालों पर कार्यवाही की जाएगी। इसके अलावा निगम ने व्यापारिक प्रतिष्ठान व चौक चैराहों पर एलईडी टीवी लगाने का निर्णय लिया गया।

मलेरिया मुक्त जिले के लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में आगे बढ़ें - कलेक्टर

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजनांदगांव। कलेक्टर डोमन सिंह ने मलेरिया मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान के साथ ही मलेरिया उन्मूलन के लिए जिला टास्क फोर्स समिति की बैठक ली। कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि जिले में 15 जून से 10 जुलाई तक आठवें चरण के मलेरिया मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान के साथ ही कुष्ठ खोज एवं राष्ट्रीय नेत्र ज्योति अभियान संयुक्त रूप से चलाया जाना है। उन्होंने इसके लिए शत-प्रतिशत कार्य करने के निर्देश दिए। कलेक्टर डोमन सिंह ने कहा कि शहरी क्षेत्रों में मलेरिया एवं डेंगू से बचाव के लिए जनजागरूकता अभियान चलाएं।

सभी शासकीय कार्यालयों में कूलर एवं अन्य स्थानों में पानी का जमाव नहीं होना चाहिए। स्कूल, आश्रम, छात्रावास सभी स्थानों में व्यापक स्तर पर साफ-सफाई अभियान चलाएं।

उन्होंने नागरिकों से अपील की है कि डेंगू एवं मलेरिया से सुरक्षा के लिए इस बात का ध्यान रखें कि मच्छर न पनप सके। इसके लिए पानी का ठहराव न हो और घर के आसपास साफ-सफाई रखें। सोते समय मच्छरदानी का उपयोग करें। उन्होंने नगर निगम से मलेरिया रोधी कीटनाशक दवा का छिड़काव करने कहा।

कलेक्टर ने नगरीय प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, स्कूल शिक्षा विभाग सहित अन्य विभागों को आपसी समन्वय से कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिले को मलेरिया मुक्त बनाने के लिए 15 जून से 10 जुलाई मलेरिया मुक्त अभियान का आठवां चरण शुरू किया जा रहा है। जिसमें मलेरिया के मामलों को न्यूनतम स्तर तक ले जाकर पूर्ण मलेरिया मुक्त जिले के लक्ष्य को प्राप्त किया जा सके। उन्होंने कहा कि सर्वे दल द्वारा मलेरिया से बचाव के लिए जनसामान्य को जागृत कर मच्छरदानी के नियमित उपयोग के लिए प्रेरित करें। इस दौरान ग्रामों में घरों के आस-पास जमा पानी और नालियों में बीटीआई और जले हुए तेल का छिड़काव करने के लिए कहा। कलेक्टर ने इस अभियान के लिए जिला स्तर एवं विकासखंड स्तर पर भी कन्ट्रोल रूम का गठन कर अधिकारी एवं कर्मचारियों की ड्यूटी लगाने के निर्देश दिए।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अशोक बसोड़ ने बताया की जिले के समस्त विकासखंड के 18 उपस्वास्थ्य केंद्र के 64 ग्रामों में 214 टीम के सदस्यों द्वारा घर-घर सर्वे कर मलेरिया, कुष्ठ एवं नेत्र रोग के बचाव एवं रोकथाम के लिए प्रचार-प्रसार कर लोगों में जागरूकता का कार्य किया जाएगा। साथ ही चिन्हांकित ग्राम के समस्त जनसमुदाय की निःशुल्क मलेरिया, कुष्ठ संदेहास्पद मरीजों की जांच तथा नेत्र रोग रोगियों की पहचान कर समुचित उपचार की उपलब्धता सुनिश्चित की जाएगी। जिला सलाहकार श्रीमती संगीता पाण्डेय ने बताया की लक्षणविहीन रोगी से मलेरिया परजीवी अन्य स्वस्थ व्यक्ति को संक्रमित करता है। लक्षण विहीन रोगी से मलेरिया परजीवी अन्य स्वस्थ व्यक्ति को संक्रमित करता है।

समुदाय से मलेरिया परजीवी को समूल नष्ट करने हेतु अभियान चलाकर मास स्क्रीनिंग गतिविधि किया जाएगा।

अभियान के दौरान पॉजीटिव पाए गए रोगियों को पूर्ण उपचार देने से मलेरिया परजीवी को नष्ट किया जा सकता है। इसके साथ-साथ उन क्षेत्रों में रहने वाले सभी व्यक्तियों के द्वारा मच्छरदानी के नियमित उपयोग तथा मच्छर लार्वा स्त्रोत नियंत्रण गतिविधियों के क्रियान्वयन से संबंधित क्षेत्र को मलेरिया मुक्त किया जा सकता है। जिसके लिए शाम 7 बजे मितानिन द्वारा सिटी बजाकर जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। जिसमें चिन्हांकित ग्राम में सर्वे दल द्वारा आरडी किट से जाँच की जाएगी। जांच के दौरान मलेरिया पॉजीटिव व्यक्ति पाए जाने पर पर जांच कर सम्पूर्ण उपचार दिया जाएगा तथा सोर्स रिडक्शन की गतिविधि भी साथ-साथ की जाएगी।

आईटीआई में स्वस्थ्य तन स्वस्थ्य मन जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

गरियाबंद। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ केसी. उराव के निर्देश एवं गरियाबंद सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक डॉ नाग नोडल अधिकारी हरीश चौहान एवं डीपीएम ध्रुव के मार्गदर्शन नगर के आईटीआई गरियाबंद में *स्वस्थ तन स्वस्थ मन*जन जागरूकता अभियान माह जून 2023 के तहत आत्महत्या रोकथाम एवं गेटकीपर कार्यशाला का आयोजन 16 जून 2023 को किया गय ।इस कार्यक्रम में महिला एवं बच्चो मे होने वाले तनाव,विधार्थियो मे तनाव,गर्भा अवस्था के दौरान एवं पश्चात का तनाव,आत्म हत्या रोकथाम पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। हरीश चौहान ने बताया कि राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य के तहत ये कार्यक्रम स्कूलों में किया जा रहा है।

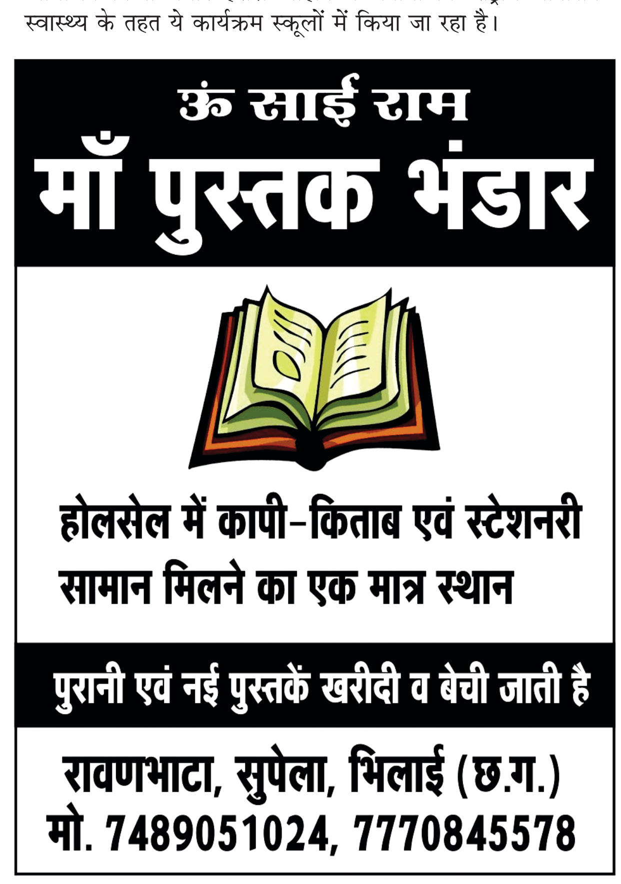

यूज्ड वॉटर तथा सेप्टेज मैनेजमेंट में छत्तीसगढ़ बनेगा देश में अग्रणी राज्यः मंत्री डॉ. शिवकुमार डहरिया

यूज्ड वॉटर फीकल स्लज प्रबंधन विषय पर आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में शामिल हुए नगरीय प्रशासन मंत्री

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। नगरीय प्रशासन मंत्री डॉ. शिवकुमार डहरिया यूज्ड वॉटर 'फीकल स्लज प्रबंधन' विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का शुभारंभ किया। कार्यशाला नवा रायपुर, अटल नगर स्थित एक निजी होटल में नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग, यूनिसेफतथा भारत सरकार आवास और शहरी कार्य मंत्रालय के संयुक्त तत्वाधान में 15 और 16 जून को आयोजन किया गया।

मंत्री डॉ. डहरिया ने कार्यशाला को संबोधित करते हुए कहा कि यूज्ड वॉटर 'फीकल स्लज मैनेजमेंट' के माध्यम से राज्य को आगे आने का मौका मिलेगा। उन्होंने कहा नगरीय निकायो का मुख्य कार्य शहरी नागरिकों को मूलभून सुविधा उपलब्ध कराना है। विभाग सड़क, बिजली, पानी, साफ-सफाई सहित अनेक अन्य ऐसे कार्य करती है, जिससे शहरवासियों की समस्याओं का निराकरण हो सके। उन्होंने सीवरेज तथा फीकल स्लज़ ट्रीटमेंट के छत्तीसगढ़ मॉडल का अध्ययन कर अपने राज्यों के बेस्ट प्रैक्टिस साझा करने का आग्रह किया। उन्होंने सभी राज्यों को इस कार्यशाला में बढ़ चढ़ कर हिस्सा लेने के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यशाला के दूसरे दिन निमोरा में सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट तथा कुम्हारी में फीकल स्लज ट्रीटमेंट प्लांट का साइट विजिट में शामिल होकर छत्तीसगढ़ के प्रयासों का अवलोकन करने का आग्रह किया। उद्घाटन कार्यक्रम के अन्त में उन्होंने छत्तीसगढ़ को यूज्ड वॉटर तथा सेप्टेज मैनेजमेंट में देश का अग्रणी राज्य बनाने का आवाहन किया।

नगरीय प्रशासन मंत्री कहा कि पहले तालाबों का पानी काफी साफ होते थे, लेकिन अब सीवरेज का पानी सीधे तालाबों में आने से पानी की गुणवत्ता खराब हुई है। अतः सीवरेज के पानी को ट्रीटमेंट करने की जरूरत है। मंत्री डॉ. डहरिया ने उपस्थित नगरीय निकाय के अधिकारियों से कहा कि तालाबों की नियमित साफ-सफाई और सौन्दर्यीकरण करना चाहिए। विशेष रूप से जिस तालाब में सीधे सीवरेज का पानी जाता है, वहां और ज्यादा ध्यान देने की जरूरत है।

इस दो दिवसीय कार्यशाला में प्रथम दिन हरियाणा, महाराष्ट्र, उड़ीसा राज्यों के प्रतिनिधियों द्वारा उनके राज्य के नगरीय निकायों में फीकल स्लज और यूज्ड वाटर मैनेजमेंट के क्षेत्र में किए गए अनुकरणीय कार्यों का प्रस्तुतीकरण किया गया। साथ ही सेंट्रल पब्लिक हेल्थ एंड इंजीनियरिंग ऑर्गेनाइजेशन द्वारा भी प्रस्तुतीकरण दी गई। मध्यप्रदेश, तेलंगाना, उत्तर प्रदेश, असम, सिक्किम और यूनिसेफ के प्रतिनिधियों के साथ पैनल डिस्कशन कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। कार्यशाला के दूसरे दिन 16 जून को रायपुर के निमोरा स्थित सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट और कुम्हारी नगर पालिका ने एफएसटीपी का साइट विजिट किया गया।

कार्यशाला में 21 राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों के 75 प्रतिनिधियों के साथ साथ भारत सरकार, यूनिसेफ, बिल एंड मेलिंडा गेट्स फंडेशन, सेंटर ऑफ साइंस एंड एनवायरनमेंट सहित देश की विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया।

कार्यशाला में नगरीय प्रशासन विभाग के विशेष सचिव डॉ अय्याज भाई तंबोली, संचालक डॉ सारांश मित्तर, सीईओ सूडा सौमिल रंजन चौबे, यूनिसेफ के कंट्री हेड पाऊलोस वॉर्केहेन, यूनिसेफ के छत्तीसगढ़ प्रमुख जॉब जकारिया, भारत सरकार से वी के चौरसिया, ज्वाइंट एडवाइजर, रोहित कक्कड़ डिप्टी एडवाइजर सहित सभी नगर निगमों के आयुक्त, नगर पालिकाओं के मुख्य नगरपालिका अधिकारी और विभागीय तथा यूनिसेफ के अधिकारी उपस्थित थे।

खास खबर...

चुनाव के दौरान उपयोग में लाए जा सकते हैं 18 प्रकार के दस्तावेज

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा नगर पालिकाओं के उप निर्वाचन 2023 के लिए जारी कार्यक्रम के अनुसार आगामी 27 जून को आठ नगरीय निकायों में वार्ड पार्षद के रिक्त आठ पदों के लिए मतदान होना है। मतदान के समय मतदाताओं की पहचान सुगम बनाने के लिए 18 प्रकार के दस्तावेज़ों का इस्तेमाल किया जा सकता है। मतदाता इनमें से किसी एक दस्तावेज़ को मतदान केंद्र के पीठासीन अधिकारी/निमित्त प्राधिकृत मतदान अधिकारी के सामने प्रस्तुत कर अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकता है। मतदान के समय मतदाता पहचान पत्र के तौर पर भारत निर्वाचन आयोग द्वारा प्रदाय किया गया मतदाता परिचय पत्र, बैंक/डाकघर फोटोयुक्त पासबुक, पासपोर्ट, पैन कार्ड, आधार कार्ड तथा राज्य/केन्द्र सरकार, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम या स्थानीय निकाय द्वारा उनके अधिकारी एवं कर्मचारियों को जारी किया गया फोटोयुक्त पहचान-पत्र का उपयोग कर सकते हैं। इसी प्रकार फोटोयुक्त पेंशन दस्तावेज, मनरेगा जॉब कार्ड, फोटोयुक्त स्वास्थ्य बीमा योजना (स्मार्ट) कार्ड, ड्राइविंग लायसेंस, स्वतंत्रता सेनानी फोटोयुक्त पहचान-पत्र, केन्द्रीय अथवा राज्य माध्यमिक शिक्षा मण्डल द्वारा जारी दसवीं एवं बारहवीं की फोटोयुक्त अंकसूची का उपयोग किया जा सकता है। बार कौंसिल द्वारा अधिवक्ताओं को जारी फोटोयुक्त परिचय पत्र, फोटोयुक्त विकलांगता प्रमाण-पत्र, छत्तीसगढ़ शासन द्वारा जारी वैध फोटोयुक्त राशन कार्ड, महाविद्यालय अथवा विद्यालय द्वारा जारी फोटोयुक्त छात्र पहचान-पत्र एवं फोटोयुक्त शस्त्र लायसेंस के साथ ही छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा तैयार सॉफ्टवेयर स्श्रष्ट-श्चक्र द्वारा Online जनरेटेड मतदाता पहचान पर्ची का उपयोग भी मतदाता, पहचान पत्र के रूप में कर सकते हैं।

हसदेव बैराज के संभावित बाढ़ प्रभावित स्थलों का चिंहाकन

रायपुर। आगामी वर्षा ऋतु को देखते हुए हसदेव बैराज के आस-पास बसाहटों को एहतिहात के तौर पर हटाने के निर्देश दिए गए हैं। कार्यपालन अभियंता हसदेव बैराज जलप्रबंध संभाग रामपुर, कोरबा आम जनमानस के लिए सूचना जारी कर कहा है कि आगामी बारिश के मौसम में आवश्यकता होने पर हसदेव बैराज दर्री के जलद्वारों को खोला जाएगा। जिससे नदी में पानी का प्रवाह अत्यधिक बढ़ने से बैराज के आस-पास बाढ़ क्षेत्र में स्थापित चल-अचल संपत्ति की क्षति होगी। इसलिए बैराज के बाढ़ प्रभावित क्षेत्र में आने वाले चल-अचल संपत्ति सहित खनिज, खदान ठेकेदार, औद्योगिक इकाईयों और संस्थानों को भी अपनी परिसम्पत्तियों को हटाने कहा गया है। उक्त निर्देश कोरबा तथा जाजंगीर-चांपा जिला अंतर्गत चिन्हांकित स्थलों के लिए जारी किया गया है ताकि सभी अपनी चल-अचल सम्पत्ति को हटाकर सुरक्षित स्थानों में रख लें। कार्यपालन अभियंता द्वारा जारी निर्देश में कहा गया है कि अचानक बाढ़ से होने वाली किसी भी प्रकार की क्षति के लिए जल संसाधन विभाग उत्तरदायी नहीं होगा। बाढ़ क्षेत्र में आने वाले चिन्हांकित स्थानों में जिला कोरबा के चारपारा, खैरभवना, बलरामपुर, भलपहरी, जोगीपाली, कोहड़िया, राताखार, गेवराघाट, ईमलीडुग्गु, कुदुरमाल, बरीडीह, कटबितला, मोहरा, झींका, ठिठोली तथा चिचोली गांव शामिल है। इसी तरह जांजगीर-चांपा जिले का चांपा एवं देवरी गांव भी बाढ़ प्रभावित क्षेत्र में शामिल है।

मतदान से 48 घण्टे पूर्व से लेकर मतगणना समाप्ति तक रहेगा शुष्क दिवस

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा जारी कार्यक्रम अनुसार त्रिस्तरीय पंचायतों के 198 सीटों जिसमें जिला पंचायत, जनपद पंचायत सदस्य, सरपंच, पंच के लिए, आगामी 27 जून को मतदान होना है। इसके मद्देनजर राज्य शासन ने त्रिस्तरीय पंचायत आम/उप निर्वाचन 2023 हेतु संबंधित निर्वाचन क्षेत्रों में मतदान समाप्ति के 48 घंटे पूर्व से लेकर 27 जून मतगणना समाप्ति तक शुष्क अवधि/दिवस घोषित किया है। ज्ञात हो कि त्रिस्तरीय पंचायतों के लिए मतगणना, मतदान के दिन ही मतदान केंद्रों में की जाएगी। अतः मतगणना समाप्ति तक संबंधित निर्वाचन क्षेत्र में शुष्क दिवस रहेगा। राज्य शासन ने त्रिस्तरीय पंचायतों के आम/उप निर्वाचन के तहत् आगामी 27 जून को संबंधित निर्वाचन क्षेत्रों के लिए सार्वजनिक/सामान्य अवकाश की घोषणा भी की है।

स्मार्ट पीडीएस के संबंध में राज्य स्तरीय अपेक्स समिति की बैठक सम्पन्न

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्य सचिव अमिताभ जैन की अध्यक्षता में आज यहां मंत्रालय महानदी भवन में खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग की स्मार्ट सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के संबंध में गठित राज्य स्तरीय अपेक्स समिति की बैठक सम्पन्न हुई। मुख्य सचिव ने बैठक में कहा कि सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत हितग्राहियों की समस्याओं का त्वरित निराकरण सुनिश्चित किया जाए और हितग्राहियों को लाभान्वित किया जाए। बैठक में स्मार्ट सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत राज्य के हितग्राहियों को शीघ्रता से ज्यादा से ज्यादा फायदा दिलाने के लिए अधिकारियों को व्यापक कार्ययोजना बनाने के निर्देश मुख्य सचिव ने अधिकारियों को दिए है। बैठक में मुख्यमंत्री के सचिव अंकित आनंद भी मौजूद थे।

खाद्य विभाग के अधिकारियों ने स्मार्ट पीडीएस के बारे में जानकारी दी कि योजना के अंतर्गत राशनकार्ड प्रबंधन, राशन सामग्री का भण्डारण एवं वितरण सुविधा की जानकारी ऑनलाइन पोर्टल पर उपलब्ध रहेगी। अधिकारियों ने बताया कि योजना में केन्द्रांश एवं राज्यांश राशि की अनुपात 60:40 होगा तथा वर्ष 2026 के उपरांत सम्पूर्ण व्यय भार राज्य शासन द्वारा वहन किया जाएगा। योजना का क्रियान्वयन चालू वित्तीय वर्ष 2023-24 से किया जा रहा है। योजना के तहत राज्य में संचालित खाद्यान्न पर आधारित अन्य कल्याणकारी योजनाओं हेतु ऑनलाइन सॉफ्टवेयर में आवश्यक प्रावधान किया जाएगा। बैठक में खाद्य विभाग के सचिव टोपेश्वर वर्मा, प्रबंध संचालक मार्कफेड मनोज सोनी सहित खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग के अन्य अधिकारी मौजूद थे।

सहायक शिक्षक, शिक्षक एवं व्याख्याता भर्ती में अतिथि शिक्षकों को बोनस अंक

20 जून तक प्रस्तुत करना होगा प्रमाण पत्र

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में शिक्षक भर्ती 2023 के अंतर्गत सहायक शिक्षक, शिक्षक एवं व्याख्याता की भर्ती प्रक्रियाधीन है। इस संबंध में 4 मई 2023 को विज्ञापन जारी किया गया था। इस भर्ती में राज्य शासन ने अतिथि शिक्षकों को बोनस अंक दिए जाने का निर्णय लिया है। निकट भविष्य में इन पदों पर भर्ती की प्रक्रिया प्रारंभ होने वाली है। लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा इस संबंध में सभी अतिथि शिक्षकों को सूचित किया है कि वे 20 जून 2023 तक कार्यालयीन समय में बोनस अंक हेतु अपना प्रमाण पत्र प्रस्तुत कर सकेंगे। निर्धारित तिथि

एवं समय के पश्चात प्रस्तुत प्रमाण पत्र पर किसी भी प्रकार से विचार नहीं किया जाएगा और बोनस अंक दिया जाना संभव नहीं हो पाएगा। उल्लेखनीय है कि राज्य शासन के आदेशानुसार प्रदेश में शिक्षकों के 12 हजार 489 पदों पर भर्ती की जा रही है।

लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा इस संबंध में 12 मई 2023 को पत्र जारी कर बोनस अंक दिए जाने की विस्तृत प्रक्रिया निर्धारित की गई थी। इस संबंध में सभी जिला शिक्षा अधिकारियों को निर्देश भी दिए थे। जिसमें शिक्षा विभाग के स्कूलों में कार्यरत अतिथि शिक्षक को प्रत्येक वर्ष के लिए 2 बोनस अंक तथा अधिकतम 10 अंक संचालक लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा प्रमाण पत्र जारी किए जाने पर दिए जाने के निर्देश दिए गए हैं। लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा इस संबंध में अतिथि शिक्षकों को प्रमाण पत्र जारी करने की प्रक्रिया निर्धारित करते हुए जिला शिक्षा अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही करने कहा है। यह भी स्पष्ट किया गया है कि किसी भी शैक्षणिक सत्र में एक वर्ष से कम अवधि के अध्यापन के लिए शून्य अंक देय होगा। एक पूर्ण शैक्षणिक सत्र के अध्यापन के लिए 2 अंक देय होगा।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की तैयारियां जोरों परः राज्य स्तरीय आयोजन में 21 हजार लोगों के योगाभ्यास करने का लक्ष्य

छत्तीसगढ़ योग आयोग के अध्यक्ष ज्ञानेश शर्मा ने योग सेंटर संचालकों की ली विशेष बैठक

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाने की तैयारियां जोर-शोर से चल रही है। योग दिवस पर आयोजित समारोह को सफल बनाने छत्तीसगढ़ योग आयोग के अध्यक्ष ज्ञानेश शर्मा ने धरमपुरा स्थित कार्यालय में योग सेंटर संचालकों की विशेष बैठक ली। बैठक में कार्यक्रम की रूप रेखा की कार्ययोजना पर चर्चा करते हुए उन्होंने बताया गया कि इस साल अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का राज्य स्तरीय समारोह जोरा स्थित कृषि महाविद्यालय के मैदान में आयोजित किया जाएगा। इस दिन बड़ी संख्या में लोग छत्तीसगढ़ में योगाभ्यास करेंगे। राज्य स्तरीय आयोजन में इस वर्ष 21 हजार लोगों का एक साथ योगाभ्यास करने का लक्ष्य है।

श्री शर्मा ने बताया कि पूरे देश के साथ छत्तीसगढ़ में भी अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोह पूर्वक मनाया जाएगा। इस वर्ष योग दिवस की थीम 'एक विश्व एक स्वास्थ्य' रखी गई है। इस दिन योग के माध्यम से 'हर घर आंगन योग' के संदेश को प्रोत्साहित किया जाएगा। ग्राम पंचायत, नगरीय निकाय के प्रमुख स्थलों जैसे- ऐतिहासिक, सार्वजनिक महत्व के स्थल, महत्वपूर्ण नदियों वाले स्थलों पर अधिक से अधिक भागीदारी के साथ सामूहिक योग अभ्यास का आयोजन किया जाएगा। प्रदेश के शहरों और गांवों में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। आंगनबाड़ी केन्द्रों के बच्चे, वृद्धा आश्रमों में रहने वाले बुजुर्ग सहित कई नव जवान अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोह में शामिल होकर योगाभ्यास करेंगे। श्री शर्मा ने सभी योग सेंटरों में योगा मेट और चटाई उपलब्ध कराने के निर्देश अधिकारियों को दिए। उन्होंने लोगों से योग करने का आग्रह करते हुए कहा कि स्वास्थ्य जीवन शैली के लिए सभी दैनिक जीवन में योग को अपनाएं।

छत्तीसगढ़ योग-आयोग के अध्यक्ष ज्ञानेश शर्मा ने बताया कि आंगनबाड़ी और वृद्धाश्रम, सार्वजनिक उपक्रमों, शासन के सभी विभागों के प्रमुख स्थानों में भी योग के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसमें सरपंच, वार्ड पार्षदों अन्य स्थानीय समुदाय के जनप्रतिनिधियों, गणमान्य नागरिक स्वैच्छिक संगठन, पुलिस प्रशिक्षण केन्द्रों, आंगनबाड़ी केन्द्रों, बालाश्रम, वृद्धाश्रम, दिव्यांगजनों तथा उभयलिंगी व्यक्तियों हेतु संचालित संस्थाएं शामिल होंगे।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करेंः-
9303289950, 9827806026, 8962815243

माउथ फ्रेशनर के रूप में इस्तेमाल करें घर पर मौजूद ये 5 चीजें, मुंह रहेगा तरोताजा

खाना खाने के बाद कई बार मुंह से बदबू आती है, इसलिए तरोताजा महसूस करने के लिए माउथ फ्रेशनर का सेवन किया जाता है। वैसे तो बाजार में कई तरह के स्वाद वाले माउथ फ्रेशनर आसानी से मिल जाते हैं, लेकिन बाहर से खरीदी हुई चीज से अच्छा है कि आप प्राकृतिक चीजों का इस्तेमाल अधिक करें। आइये आज हम आपको घर पर मौजूद 5 ऐसी चीजें बताते हैं, जिन्हें आप माउथ फ्रेशनर के रूप में इस्तेमाल कर सकते हैं।

पुदीने की पत्तियों का करें सेवन

पुदीने का इस्तेमाल माउथ फ्रेशनर के रूप में किया जा सकता है। इसकी पत्तियों को चबाने से मुंह तरोताजा हो जाता है और इससे सांसों की दुर्गंध और खाने के बाद मुंह की दुर्गंध से भी छुटकारा मिलता है। इस कारण यह कई तरह के टूथपेस्ट में भी एक महत्वपूर्ण तत्व होता है। यह विटामिन- ए और सी, आयरन, मैग्नीशयम और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण से भरपूर होता है, जो मुंह में मौजूद गंध पैदा करने वाले बैक्टीरिया को मार सकते हैं।

गुलकंद भी आएगा काम

गुलकंद को गुलाब की पंखुड़ियों से बनाया जाता है, जिसमें मिठास के साथ खुशबू होती है। यह भोजन में स्वाद बढ़ाने के अलावा मुंह में ठंडक प्रदान कर सकता है, जिससे आपकी सांसें ताजा हो जाती हैं। इसके अलावा यह एसिडिटी, गैस और कब्ज जैसे पाचन संबंधी परेशानियों के इलाज में भी प्रभावी है। नियमित रूप से 2 चम्मच गुलकंद के सेवन से स्वास्थ्य को कई अन्य फायदे भी मिल सकते हैं।

लौंग भी है फायदेमंद

लौंग एंटी-बैक्टीरियल गुणों से समृद्ध होता है, जो मसूड़ों से खून आने और दांतों की सड़न जैसी कई मुंह की दिक्कतों से निजात दिलाने में मदद करता है। यह आपके मुंह के बैक्टीरिया को कम करने के साथ ही सांसों की बदबू और सूखेपन को भी दूर करता है। बेहतर परिणाम के लिए लौंग को चबाने की बजाय मुंह में रखकर चूसते रहिए। आयुर्वेदिक गुणों से भरपूर लौंग के सेवन से ये फायदे भी मिलते हैं।

दालचीनी का करें इस्तेमाल

रसोई में मौजूद दालचीनी भी सांसों की बदबू को दूर करने में आपकी मदद कर सकती है। यह एंटी-बैक्टीरियल गुणों से भरपूर है। यह मुंह में उन बैक्टीरिया से लड़ने में सक्षम होते हैं, जो दांतों को खराब और गंध पैदा कर सकते हैं। लौंग की तरह ही दालचीनी का एक छोटा-सा टुकड़ा अपने मुंह में रखें और इसे थूकने से पहले इसका रस अच्छे से चूस लें। दालचीनी से ये स्वादिष्ट व्यंजन भी बनाए जा सकते हैं।

तुलसी के पत्ते हैं कारगर

तुलसी का पौधा लगभग हर घर में आसानी से मिल जाता है क्योंकि बहुत लोग इस पौधे की पूजा करते हैं। आयुर्वेद में तुलसी का इस्तेमाल कई परेशानियों को ठीक करने के लिए किया जाता है, जिनमें से एक सांसों की दुर्गंध को दूर करना भी शामिल है। लाभ के लिए आप धूप में सुखाई गई तुलसी की पत्तियों के पाउडर से ब्रश कर सकते हैं या फिर इसकी कुछ ताजी पत्तियों को चबा सकते हैं।

शॉर्ट ड्रेस में मोनालिसा ने बरपाया कहर, हॉटनेस देख फैंस खो बैठे होश

भोजपुरी इंडस्ट्री की फेमस एक्ट्रेस मोनालिसा आए दिन अपने बोल्डनेस और हॉटनेस के कारण सुर्खियों में रहती है। एक्ट्रेस जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर करती है तो वो लोगों के बीच तेजी से वायरल होने लगती हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपना लेटेस्ट सिंपल लुक्स देते फोटोशूट करवाया है, जिसमें उनके चेहरे पर किलर लुक्स उनकी इन फोटोज पर चार चांद लगा रही हैं। भोजपुरी एक्ट्रेस मोनालिसा हमेशा अपनी हॉटनेस के कारण सोशल मीडिया पर छाई हुई रहती हैं। वो जब भी अपनी फोटोज शेयर करती हैं तो फैंस उनकी तारीफों के पुल बांधते नहीं थकते हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट के दौरान की कुछ तस्वीरें शेयर की हैं। इन फोटोज में उनकी हॉटनेस थमने का नाम नहीं ले रही है। मोनालिसा अपने इस लेटेस्ट लुक में बेहद ही किलर दिखाई दे रही हैं। मोनालिसा ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट में व्हाइट एंड ग्रे चेक में शॉर्ट ड्रेस पहनी हुई है जिसमें वो बेहद बोल्ड लग रही है। ओपन हेयर और लाइट मेकअप लुक कर के एक्ट्रेस मोनालिसा ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। मोनालिसा आज भोजपुरी इंडस्ट्री से लेकर टीवी इंडस्ट्री में एक बड़ा चेहरा बन चुकी है। बता दें कि मोनालिसा इंडस्ट्री की हाई पेड एक्ट्रेस में से एक हैं। एक्ट्रेस अपना क्रेज बरकार रखने का एक भी मौका नहीं छोड़ती हैं।

घुटनों के दर्द ने मुश्किल कर दिया है जीना? तो अपनाएं ये घरेलु उपाय

घुटनों का दर्द एक आम समस्या हो सकती है और यह आपके दैनिक जीवन को कठिन बना सकती है। यहां कुछ घरेलू उपाय हैं जो घुटनों के दर्द को कम करने में मदद कर सकते हैं:-

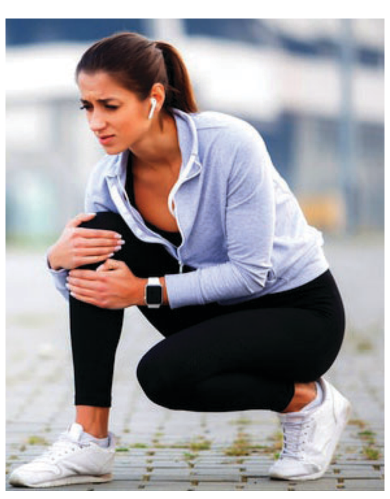

गर्म पानी से स्नान

रोजाना गर्म पानी से नहाने से घुटनों के दर्द में आराम मिलता है। गर्म पानी के टब में बैठकर घुटनों को उसमें रखें या फिर गर्म पानी की बाल्टी में दोनों पैरों को डालें। इससे घुटनों की सूजन कम होगी और दर्द में आराम मिलेगा।

हल्दी और दूध का सेवन

आधा चम्मच हल्दी को एक ग्लास गर्म दूध में मिलाएं और रोजाना सोने से पहले पिएं। हल्दी और दूध में मौजूद एंटी-इंफ्लामेटरी गुण घुटनों के दर्द को कम करते हैं।

अदरक और लहसुन का तेल

अदरक और लहसुन के ताजे रस को घुटनों पर मसाज करें। इससे दर्द में आराम मिलेगा और घुटनों की सूजन कम होगी।

मसाज और पानी की कंप्रेस

घुटनों को आराम देने के लिए उन्हें हल्के हाथ से मसाज करें। इसके साथ ही, ठंडे पानी के कंप्रेस को घुटनों पर रखें। यह दर्द को कम करने में मदद करेगा।

सही आहार

स्वस्थ आहार खाने में सहायता मिलती है। विटामिन सी, विटामिन डी, कैल्शियम, और ओमेगा-3 चर्मदार भोजन घुटनों के स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण हैं।

यदि घुटनों का दर्द लंबे समय तक बना रहता है और इन घरेलू उपायों से भी आराम नहीं मिलता है, तो आपको एक चिकित्सक से परामर्श लेना चाहिए।

राइमा सेन विवेक अग्निहोत्री की फिल्म द वैक्सीन वॉर की स्टार कास्ट में शामिल

विवेक अग्निहोत्री की फिल्म द वैक्सीन वॉर की स्टार कास्ट में बुधवार को एक और नया नाम जुड़ गया है। फिल्म द वैक्सीन वॉर में नाना पाटेकर, अनुपम खेर और सप्तमी गौड़ा जैसे कलाकार शामिल हैं। अब इन कलाकारों के साथ एक्ट्रेस राइमा सेन का नाम भी जुड़ गया है। सेन भी अब इस फिल्म का हिस्सा होंगी।

फिल्म निर्माता ने ट्विटर पर एक वीडिया शेयर किया है। वीडियो में विवेक अग्निहोत्री ने कोलकाता की अपनी हालिया यात्रा के दौरान अभिनेत्री से मिलने और उसे अपनी फिल्म में अभिनय करने के लिए आमंत्रित करने पर प्रसन्नता जताई।

52 सेकंड की एक क्लिप में उनका परिचय देते हुए फिल्म निर्माता ने कैप्शन दिया देखो हैशटैग द वैक्सीन वार हैशटैग एट्रस्टोरी में के कलाकारों में कौन शामिल हुआ। फिल्म का ज्यादातर डिटेल गुप्त रखी गई है। फिल्म के टाइटल से ही काहानी का पता चल रहा है। फिल्म द वैक्सीन वॉर भारतीय जैव-वैज्ञानिकों की खोज और उनके क्रांतिकारी स्वदेशी टीकों की ओर इशारा करती है।

द वैक्सीन वॉर 20 अक्टूबर 2023 को दशहरे पर 11 भाषाओं में रिलीज होगी।

किसी का भाई किसी की जान अब ओटीटी पर देगी दस्तक

सलमान खान की फिल्म किसी का भाई किसी की जान ने इस साल ईद के मौके पर सिनेमाघरों में दस्तक दी थी। इस फिल्म के साथ भाईजान ने काफी समय बाद बड़े पर्दे पर वापसी की थी तो उन्हें एक्शन अवतार में देखने के लिए प्रशंसक काफी उत्सुक थे। फिल्म को समीक्षकों और दर्शकों की ओर से मिली-जुली प्रतिक्रिया मिली थी। अब अभिनेता ने ऐलान किया है कि फिल्म जल्द ही ओटीटी पर अपने डिजिटल प्रीमियर के लिए तैयार है। सलमान ने ट्विटर पर एक वीडियो साझा करते हुए किसी का भाई किसी की जान की ओटीटी रिलीज के बारे में जानकारी दी है। अभिनेता ने ट्वीट किया, देखें एक्शन, ड्रामा और रोमांस से भरपूर किसी का भाई किसी की जान का वर्ल्ड डिजिटल प्रीमियर 23 जून को सिर्फ जी5 पर। फिल्म के ओटीटी पर आने की जानकारी मिलने के बाद ही प्रशंसक काफी खुश हो गए हैं, जो सिनेमाघरों में इसे देखने से चूक गए थे। किसी का भाई किसी की जान 4 भाइयों की कहानी है, जिसमें सलमान सबसे बड़े भाई थे और बाकी तीनों को उन्होंने अनाथ आश्रम से गोद लिया था। फरहाद सामजी के निर्देशन में बनी फिल्म में पहली बार सलमान के साथ पूजा हेगड़े की जोड़ी बनी थी तो शहनाज गिल और पलक तिवारी ने इससे बॉलीवुड में डेब्यू किया था। फिल्म में राघव जुयाल, सिद्धार्थ निगम, विरेंद्र सिंह, जस्सी गिल और भूमिका चावला सहित कई सितारे नजर आए थे।

वर्कआउट के बाद सिर दर्द होना नहीं है सामान्य! हो सकती है ये समस्या

वर्कआउट एक हेल्थी लाइफ स्टाइल का बहुत ही इंपॉर्टेंट हिस्सा है। जो शरीर और मन को कई सारे फायदे पहुंचता है। हालांकि कुछ लोगों को इसका दुष्प्रभाव भी महसूस होता है। इनमें से एक है शारीरिक गतिविधि के बाद सिर दर्द। हमारे आसपास ऐसे कई लोग हैं जो अक्सर यह शिकायत करते हैं कि वर्कआउट करने के तुरंत बाद ही उन्हें सिर दर्द होने लगता है। ऐसा क्यों होता है? क्या है इसके पीछे का कारण? जानेंगे इस आर्टिकल में विस्तार से, ताकि आप वर्कआउट के दौरान जो भी गलतियां करते हैं उसे सुधार लें और आपके वर्कआउट में रुकावट ना आए।

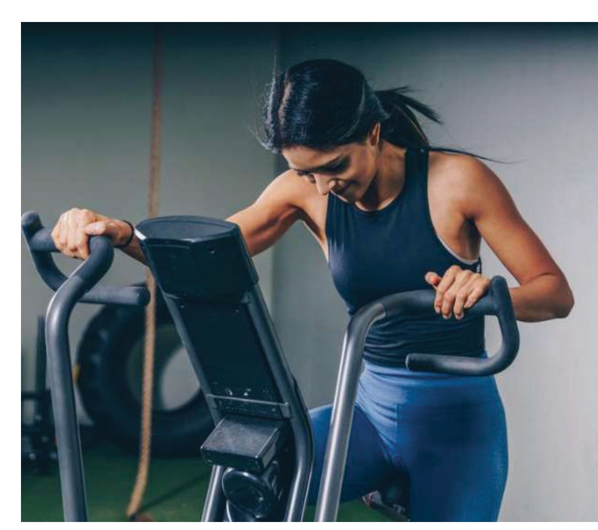

बीपी:- वर्कआउट के बाद सिरदर्द के प्रमुख कारणों में से एक वर्कआउट के दौरान रक्तचाप में वृद्धि है। जोरदार शारीरिक परिश्रम से रक्त वाहिकाओं का विस्तार होता है, रक्तचाप बढ़ जाता है।रक्त के प्रवाह में तेजी से वृद्धि से धमनिया धधकती हैं, जो सिर दर्द का कारण बनता है। अचानक से बीपी में स्पाइक होने से सिर में दर्द हो सकता है।

डिहाइड्रेशन:- इसके अलावा जब शरीर पर्याप्त रूप से हाइड्रेट नहीं होता है तब भी सर दर्द की समस्या होती है। जब आप वर्कआउट करते हैं तो आपको पसीना आता है। इस वजह से आप डिहाइड्रेट हो जाते हैं। तरल पदार्थ के कमी के कारण मस्तिष्क थोड़ा सा सिकुड़ जाता है। इससे दर्द और परेशानी हो सकती है इसलिए एक्सरसाइज करने से पहले और एक्सरसाइज करने के बाद अपने आप को ठीक से हाइड्रेट करें।

ऑक्सीनज की कमी:- वर्कआउट के दौरान सांस लेने की खराब तकनीक सर दर्द का कारण बन सकती है। इंटेंस फिजिकल एक्टिविटी के दौरान सांस को रोक कर रखते हैं या फिर शैलो ब्रेथ करते हैं। ऐसे में मस्तिष्क को पर्याप्त ऑक्सीजन न मिलने के कारण भी सिर दर्द होने लगता है। कोशिश करें कि जब भी आप एक्सरसाइज करें सांस ठीक से लेने की कोशिश करें।

ब्लड शुगर लेवल:- हाई इंटेंसिटी वाले वर्कआउट से आपका ब्लड शुगर लेवल कम हो सकता है जिसे हाइपोग्लाइसीमिया कहा जाता है इससे भी सिर दर्द हो सकता है।

नींद की कमी:- अगर आपकी नींद ठीक से पूरी नहीं होती है और आप वर्कआउट के लिए चले जाते हैं तो ये आपको काफी थकाने वाला होता है, इससे सिर दर्द की समस्या हो सकती है। अगर आप जिम जाते हैं रोज एक्सरसाइज करते हैं तो सोने का सही पैटर्न सेट करें।

इन टिप्स से करें बचाव

■एक्सरसाइज करने से पहले खुद को पूरी तरह से हाइड्रेट कर लें। वर्कआउट के दौरान ब्रेक लेकर पानी पीते रहें और वर्कआउट कंप्लीट करने के बाद भी पानी पिए।

■ज्यादा वर्कआउट करने से भी आपके सिर दर्द की समस्या हो सकती है इसलिए सीमित मात्रा में ही एक्सरसाइज करें।

■एक्सरसाइज करने के दौरान सांस रोकने की बजाय लंबी और गहरी सांस लें, इससे मस्तिष्क में ऑक्सीजन की पूर्ति होगी और आपके सिर दर्द की समस्या नहीं होगी।

त्वचा को ठंडक पहुंचाने के लिए आप भी रगड़ते हैं आइसक्यूब तो जान लीजिए ये जरूरी बातें

गर्मियों में त्वचा का ख्याल रखना काफी जरूरी होता है. क्योंकि गर्मी और धूप का असर सबसे ज्यादा आपके चेहरे पर ही पड़ता है। ऐसे में लोग त्वचा को फ्रेश रखने के लिए बर्फ का इस्तेमाल सबसे ज्यादा करते हैं। हम, आप बहुत सारे लोगों के स्किन केयर रूटीन में चेहरे पर आइस क्यूब रब करना शामिल है। लेकिन क्या ऐसा करना सही है? क्या सच में ये चेहरे को फ्रेश रखता है इसे गर्मी के मौसम में लगाना चाहिए भी या नहीं।।। इस बारे में हम जानेंगे आगे के आर्टिकल में।

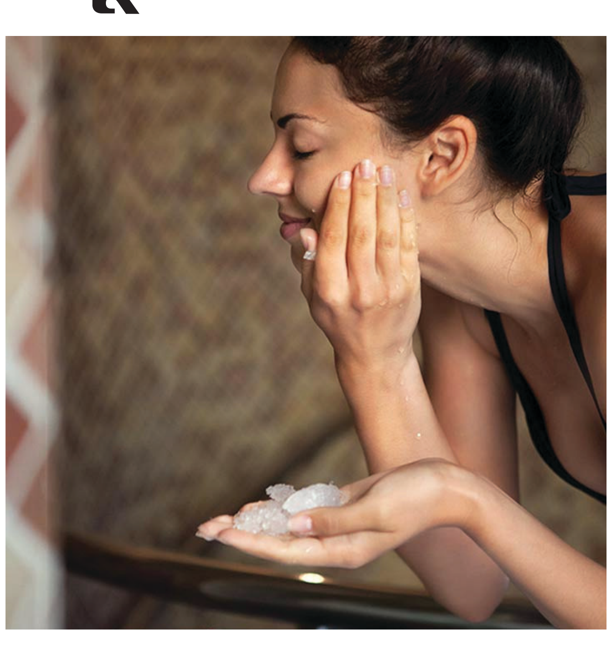

क्या गर्मी में आइसक्यूब लगाना सही है ?

जलन दूर करें-ब्यूटी एक्सपर्ट्स के मुताबिक अगर आप लंबे समय तक धूप में रहते हैं और इससे चेहरे पर जलन और रेडनेस की समस्या हो जाती है, तो ऐसे में चेहरे पर बर्फ लगाना फायदेमंद हो सकता है। इसका कूलिंग इफेक्ट इरिटेशन और जलन को कम करने में मदद करता है।

एक्ने से राहत दिलाए:- गर्मियों के मौसम में ऑयली स्किन वाले लोगों को एक्ने की समस्या हो जाती है। ऐसे में एक्ने को दूर करने के लिए भी बर्फ का इस्तेमाल किया जा सकता है। आइस क्यूब लगाने से त्वचा शांत होती है। साथ ही जो तेल का उत्पादन होता है वो भी रुक जाता है। ओपन पोर्स की समस्या कम होती है और ऐसे ये मुंहासे भी दूर करने लगता है। ज्यादा फायदा के लिए आप गुलाब जल, एलोवेरा, चुकंदर से बना आइस क्यूब भी लगा सकते हैं।

ब्लड सर्कुलेशन:- चेहरे पर आइस क्यूब लगाने से त्वचा में ब्लड सर्कुलेशन बढ़ता है। त्वचा में ऑक्सीजन के स्तर में सुधार होता है। आपकी स्किन खुलकर सांस ले पाती है और ऐसे आपकी त्वचा में निखार आता है।

फाइन लाइंस:- स्किन को टाइट करने और झुरियां और फाइन लाइंस की मौजूदगी को सीमित करके बर्फ आपकी त्वचा को जवान और हेल्दी बनाने में मदद करता है।

पफीनेस:-कई बार नींद की कमी और टेंशन की वजह से आंखों के नीचे पफीनेस की समस्या हो जाती है। ऐसे में आप बर्फ का इस्तेमाल करके इसमें कमी ला सकते हैं। इसके अलावा यह डार्क सर्कल से भी छुटकारा दिलाने में भी मददगार है। आप चाहें तो कॉफी वाला आइस क्यूब बना लें ये और भी ज्यादा फायदा पहुंचा सकता है।

यंग:-धूप और पसीने में रहने की वजह से स्किन डल और बेजान दिखती है। ऐसे में आप चेहरे पर बर्फ लगाएंगे तो आपके चेहरे पर फ्रेशनेस आएगी। डेड स्किन सेल्स निकल जाएगा और आप यंग नजर आएंगे

आइस क्यूब कैसे लगाएं?

गर्मियों में चेहरे पर आइस क्यूब लगाने का सबसे सुरक्षित तरीका ये है कि आप आइस क्यूब को एक सूती कपड़े में लपेट लें। अब इसे अपने चेहरे पर धीरे-धीरे लगाते रहें। आप डायरेक्ट बर्फ को चेहरे पर लगाने से बचें।

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Paul Sir
BANK P.O. & CLERK, MBA, RLY., SSC.
रामा कोचिंग
135,NEW CIVIC CENTER, Bhilai Ph. 0788-6560005

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरल उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

खास खबर

अंतराष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन 21 को

दुर्ग। जिले में पूर्व वर्ष की भांति इस वर्ष भी 21 जून 2023 को नवम् अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन किया जायेगा। भारत सरकार, आयुष मंत्रालय एवं पंचायती राज मंत्रालय, नई दिल्ली के संयुक्त दिशा- निर्देश अनुसार ''एक विश्व एक स्वास्थ्य'' एवं ''हर घर आंगन योग'' थीम पर आधारित 21 जून 2023 को नवम् अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का जिला स्तरीय आयोजन ''मिनी स्टेडियम'' पदमनामपुर दुर्ग में समय प्रात: 7 बजे से 8 बजे तक सामान्य योग अभ्यासक्रम (प्रोटोकॉल) के अंतर्गत निर्धारित आसनों का सामूहिक योग प्रदर्शन कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा। उप संचालक समाज कल्याण विभाग से प्राप्त जानकारी अनुसार वर्षा होने की स्थिति में खालसा पब्लिक स्कूल मालवीय नगर चौक दुर्ग के सभागार में आयोजित किया जावेगा। 21 जून 2023 को नवम् अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर जिला स्तरीय कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों तथा गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति तथा सर्व विभाग जिला अधिकारियों व कर्मचारियों के उपस्थिति में संपन्न होगा। समस्त विभागीय अधिकारी कर्मचारीगण व गणमान्य नागरिकगणों, धार्मिक, सामाजिक संगठनो व स्वैच्छिक संस्थाओं से अपील की गई है कि 21 जून 2023 को नवम् अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस स्थान मिनी स्टेडियम पदमनाभपुर दुर्ग में समय प्रात: 7 बजे से 8 बजे तक नियत कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर कार्यक्रम को सफल बनावें।

नगरीय निकायों में उप निर्वाचन के लिए 27 को होगा मतदान

दुर्ग। छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा जारी कार्यक्रम अनुसार प्रदेश के सात ज़िलों के आठ नगरीय निकायों में रिक्त आठ पार्षद पदों के लिए आगामी 27 जून को मतदान होना है । इसके मद्देनज़र राज्य शासन ने उक्त दिवस संबंधित निर्वाचन क्षेत्रों के लिए सार्वजनिक/ सामान्य आकाश घोषित किया है । इन जगहों में होने वाले चुनाव के तहत 25 जून की शाम पांच बजे से मतदान दिवस याने 27 जून तक शुष्क दिवस भी घोषित किया गया है। इसके साथ ही मतगणना के लिए 30 जून को भी शुष्क दिवस रहेगा।

रायपुर के साथ नौ जिलों में लू का अलर्ट

रायपुर। आने वाला दो दिनों तक राजधानीवासियों भीषण गर्मी का सामना करना पड़ेगा। इसके अलावा रायगढ़, जांजगीर-चांपा, बलौदाबाजार, बिलासपुर जैसे जिलों में भी लू जैसे हालात बनेंगे। मौसम विभाग से जारी नियमित रिपोर्ट की माने तो रायपुरवासियों को अभी गर्मी से फिलहाल राहत नहीं मिलेगी। मौसम विभाग ने राजधानी रायपुर के साथ ही रायगढ़, जांजगीर-चांपा, बलौदाबाजार, बिलासपुर, मुंगेली, राजनांदगांव, दुर्ग और महासमुंद जिले के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी करते हुए बताया कि इन जिलों में अभी आने वाले दो दिनों तक याने रविवार तक भीषण गर्मी का दौर जारी रहेगा। इस दौरान हीट वेव कंडीशन भी बन सकता है। मौसम विभाग ने अलर्ट जारी करते हुए बताया कि इन जिलों में अभी गर्मी का प्रकोप जारी रहेगा। इस दौरान इन सभी जिलों में अधिकांश स्थानों पर लू चल सकती है। इस दौरान न्यूनतम तापमान का आंकड़ा जो अभी तक 30 डिग्री के करीब बना हुआ है, वह बढ़ सकता है। याने अब रात में भी गर्मी का असर बना रहेगा और लोगों को अभी गर्मी से दो-चार होना ही होगा। इसके अलावा दिन में भी अधिकतम तापमान का आंकड़ा बढ़ सकता है। दूसरी ओर बेसब्री से मानसून की बौछारों का इंतजार कर रहे लोगों को 20 जून के बाद ही राहत मिल सकती है। मौसम विभाग के अनुसार प्रदेश में 19-20 जून तक लू की स्थिति बनी रह सकती है। इसके बाद प्री-मानसून की बौछारों से तापमान में गिरावट आनी शुरू होगी। अनुमान है कि इस वर्ष 24 जून तक मानसून रायपुर में दस्तक दे सकता है। इस लिहाज से अभी एक सप्ताह तक लोगों को भीषण गर्मी का सामना करना पड़ेगा।

मलेरिया मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान का आठवां चरण प्रारंभ

कांकेर। कांकेर जिले के समस्त विकासखण्डों में मलेरिया मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान आठवॉ चरण के साथ-साथ सघन कुष्ठ खोज एवं राष्ट्रीय नेत्रज्योति अभियान 10 जुलाई तक 155 ग्रामों में जिसकी जनसंख्या 84469 है, मलेरिया के लिये अतिसंवेदनशील क्षेत्र है, इन ग्रामों में मलेरिया मुक्त अभियान चलाया जा रहा है। अभियान में स्वास्थ्य कार्यकर्ता घर-घर जाकर समस्त जनसंख्या का आरडी किट से जांच करेंगे एवं मलेरिया सकारात्मक प्रकरण पाये जाने पर अपने समक्ष दवा की प्रथम खुराक खिलाएंगे एवं अन्य खुराक मितानिन के उपस्थिति में खिलाया जावेगा। जिले में अब तक सात चरणों में अभियान चलाया गया है। कांकेर जिले में मलेरिया सकारात्मक प्रकरणों में कमी पाई गई है। सकारात्मक प्रकरणों का उपचार किया गया, जिससे परजीवी भार में कमी पायी गई है। जिले के नोडल अधिकारी डॉ.डी.के. रामटेके एवं जिला सलाहकार श्रीमती मीना शर्मा द्वारा सतत मॉनिटरिंग किया जा रहा है।

एनआईटी रायपुर में किया गया नागालैंड से आए विद्यार्थियों का स्वागत

एक भारत श्रेष्ठ भारत युवा संगम के दूसरे चरण का हुआ शुभारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

नई दिल्ली (पीआईबी)। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान रायपुर में भारत सरकार के कार्यक्रम एक भारत श्रेष्ठ भारत युवा संगम के दूसरे चरण का शुभारंभ किया गया। एक भारत श्रेष्ठ भारत युवा संगम के विचार की परिकल्पना भारत के माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा की गई थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत के विभिन्न राज्यों के बीच एक सांस्कृतिक संबंध स्थापित करने हेतु इस योजना की शुरुआत की । इसका उद्देश्य उन युवाओं को आपस में जोड़ना है जो न केवल अपार प्रतिभा, वैश्विक ज्ञान, रचनात्मकता और नवाचार की भावना के प्रतीक हैं, बल्कि देश के मानवीय दर्शन को दर्शाने वाले सांस्कृतिक मूल्यों की भी समीक्षा करते हैं।

एक भारत श्रेष्ठ भारत युवा संगम मुख्य रूप से उच्च शिक्षण संस्थानों में पढ़ने वाले छात्रों और देश के विभिन्न राज्यों के युवाओं के एक्सपोजर टूर आयोजित करने पर केंद्रित है। इसके तहत एनआईटी रायपुर को एनआईटी नागालैण्ड के साथ जोड़ा गया है। इस एक्सपोजर टूर के तहत एनआईटी नागालैण्ड के 42 छात्र और 04 फैकल्टी इन चार्ज एनआईटी रायपुर का दौरा कर रहे हैं , जहां ये सभी छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक विरासत से रूबरू होंगे और विभिन्न सांस्कृतिक,तकनीकी और मनोरंजन कार्यक्रमों में भाग लेंगे।

इस कार्यक्रम के तहत एनआईटी रायपुर में 15 जून 2023 कार्यक्रम के बारे में जानकारी देते हुए एक उद्घाटन समारोह का आयोजन किया गया जहाँ सबसे पहले नागालैंड से आए सभी विद्यार्थियों का फूलों की माला पहना कर और श्री फल देकर स्वागत किया गया ।

इस समारोह के मुख्य अतिथि रायपुर के डिविजनल कमिश्नर डॉ. संजय अलंग थे। विशिष्ट अतिथि इंटरनेशनल वेटलिफ्टर रुस्तम सारंग, तथा सम्मानीय अतिथि के रूप में संस्थान के निदेशक डॉ. एन. वी. रमना राव, रजिस्ट्रार डॉ. पी. वाय. ढेकने तथा डीन (अनुसंधान और परामर्श) डॉ. प्रभात दीवान मौजूद रहे। इस कार्यक्रम में कार्यक्रम के मुख्य समन्वयक, डीन (छात्र कल्याण) डॉ. नितिन जैन, एनआईटी रायपुर युवा संगम के नोडल अधिकारी डॉ. गोवर्धन भट्ट , आयोजन समिति सदस्य , संकाय सदस्य, कर्मचारी और छात्र उपस्थित रहे। इसके बाद नागालैण्ड के प्रतिनिधियों ने अपना परिचय दिया साथ ही युवा संगम को छत्तीसगढ़ की विविध संस्कृतियों से जुड़ने का एक महान अवसर बताया और युवा संगम के प्रति अपना उत्साह दिखाया। उन्होंने बोला कि यह उत्सव छत्तीसगढ़ की अनूठी परंपराओं, भाषाओं और लोगों की खोज का एक मंच है। डॉ. प्रभात दीवान ने नागालैण्ड के प्रतिनिधियों को उनके युवा संगम के पांच दिवसीय कार्यक्रम का विवरण दिया साथ ही छत्तीसगढ़ की परंपरा तथा पर्यटन आदि के बारे में बात की। डॉ. राव ने कार्यक्रम के महत्व के बारे में बताया और बताया कि कैसे यह छात्रों के लिए छत्तीसगढ़ में संस्कृतियों, परंपराओं और लोगों की जीवन शैली को जानने का एक अवसर है। उन्होंने कार्यक्रम के सुचारू रूप से संचालन हेतु सहयोग के लिए भारत सरकार, संस्कृति मंत्रालय, पर्यटन मंत्रालय, एआईसीटीई और आईआरसीटीसी की सराहना की। उन्होंने कार्यक्रम के सुचारू आयोजन के लिए आयोजन समिति की भी सराहना की।

राष्ट्रीय सुरक्षा को सुदृढ़ बनाया जा रहा है और सशस्त्र बल प्रौद्योगिकीय रूप से उन्नत हो रहे हैं: राजनाथ सिंह

श्रीकंचनपथ न्यूज

नई दिल्ली (पीआईबी)। रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने 16 जून, 2023 को कर्नाटक के बेंगलुरु में 'रक्षा विनिर्माण में आत्मनिर्भरता' पर रक्षा मंत्रालय के लिए सलाहकार समिति की बैठक की अध्यक्षता की। बैठक के दौरान, संसद के दोनों सदनों की समिति के सदस्यों को रक्षा मंत्रालय द्वारा रक्षा में 'आत्मनिर्भरता' अर्जित करने के लिए की गई पहलों और उन निर्णयों के कारण अब तक हुई प्रगति के बारे में अवगत कराया गया।

रक्षा मंत्री ने देश की सुरक्षा बढ़ाने और सशस्त्र बलों को लगातार विकसित हो रहे वैश्विक परिदृश्य से उत्पन्न चुनौतियों से निपटने के लिए प्रौद्योगिकीय से उन्नत बनाने के लिए सरकार के निरंतर प्रयासों पर प्रकाश डाला। मांग आश्वासन को आत्मनिर्भरता सुनिश्चित करने के लिए सबसे महत्वपूर्ण पहलुओं में से एक बताते हुए, उन्होंने कहा कि इस उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए कई निर्णय लिए गए हैं। इनमें पूंजीगत परिव्यय सहित रक्षा बजट में निरंतर वृद्धि, वित्त वर्ष 2023-24 में घरेलू उद्योग के लिए रक्षा पूंजी खरीद बजट के रिकॉर्ड 75 प्रतिशत का निर्धारण और सकारात्मक स्वदेशीकरण सूची जारी करना शामिल है।

श्री राजनाथ सिंह ने जोर देकर कहा कि सरकार के निर्णयों का लाभ प्राप्त होना आरंभ हो गया है और आज देश स्वदेशी रूप से पनडुब्बियों, लड़ाकू विमानों, हेलीकॉप्टरों और हथियारों का विनिर्माण कर रहा है। उन्होंने कहा कि निरंतर बढ़ रहा रक्षा उद्योग न केवल घरेलू आवश्यकताओं को पूरा कर रहा है, बल्कि मित्र देशों की सुरक्षा आवश्यकताओं की भी पूर्ति कर रहा है।

उन्होंने कहा कि 'पिछले वित्त वर्ष में हमारा रक्षा उत्पादन एक लाख करोड़ रुपये को पार कर गया और निर्यात 16,000 करोड़ रुपये तक पहुंच गया। यह इस बात का प्रमाण है कि रक्षा क्षेत्र और राष्ट्र सही मार्ग पर अग्रसर है।

रक्षा मंत्री ने कहा कि विचारधारा चाहे जो भी हो, पूर्ण आत्मनिर्भरता के लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में हमेशा सभी पक्षों से सर्वसम्मति रही है। उन्होंने कहा कि अगर हम भारतको आयातक देश के बजाय रक्षा निर्यातक बनाना चाहते हैं तो हमें हर स्थिति में 'नेशन फर्स्ट' के विचार के साथ एक साथ खड़ा होना चाहिए।

अनाधिकृत विकास के नियमितीकरण के लिए समय रहते कर ले आवेदन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नियमों के विपरीत निर्माण करने वाले लोगों के लिए नियमितीकरण कराने का सुनहरा अवसर उन्हें मिल रहा है, इसलिए आवेदन करने में विलंब न करें शीघ्र ही नियमितीकरण के लिए आवेदन कर नियमितीकरण करा लें, क्योंकि निर्धारित तिथि के अनुसार नियमितीकरण कराने के लिए कुछ ही समय शेष है। निगम में आवेदन करने वाले हजारों लोगों का नियमितीकरण हो चुका है। भवन अनुज्ञा विभाग के अधिकारियों ने बताया कि अब तक आवासीय व गैर आवासीय मिलाकर जिन्होंने नियमितीकरण के लिए अपना आवेदन निगम में जमा कर दिया है, उनमें से 1035 लोगों के नियमितीकरण हो चुके हैं, क्योंकि इसकी प्रक्रिया को भिलाई निगम द्वारा शीघ्रता से अपनाया जा रहा है। निगमायुक्त ने जोन के अभियंताओं को निरीक्षण प्रक्रिया शीघ्रता से अपनाने के निर्देश दिए हैं, इसके लिए उन्होंने आदेश भी जारी किया है।

इन अनाधिकृत विकास का करा सकते है नियमितीकरण यदि किसी ने बिना बिल्डिंग परमिशन लिए निर्माण किया हो, बिल्डिंग परमिशन प्राप्त करके स्वरूप में परिवर्तन किया हो या फिर प्रदाय किए गए भवन अनुज्ञा के विपरीत निर्माण कर लिया हो तो इसका नियमितीकरण कराया जा सकता है। इसके लिए भिलाई निगम में वास्तुविद के माध्यम से आवेदन करना होगा। महापौर नीरज पाल एवं निगम आयुक्त रोहित व्यास ने योजना का अधिक से अधिक लाभ दिलाने के निर्देश अधिकारियों को दिए हैं। आर्किटेक्ट की सूची समस्त जोन कार्यालय एवं मुख्य कार्यालय में भी चस्पा की गई है तथा भिलाई निगम के वेबसाइट से भी आर्किटेक्ट की सूची प्राप्त की जा सकती है। भूखंड क्षेत्रफल 120 वर्ग मीटर तक के अनाधिकृत आवासीय निर्माण का नियमितीकरण में शास्ती से छूट मिल रही है। कैसे करे नियमितीकरण के लिए आवेदन आवेदन, मानचित्र निगम के पंजीकृत वास्तुविद/इंजीनियर से तैयार कराकर आवेदन करना होगा। आवेदन निर्धारित प्रारूप में चेक लिस्ट के अनुसार नगर पालिक निगम भिलाई के वेबसाइट www.bhilainagarnigam.com से डाउनलोड किया जा सकता है। आर्किटेक्ट की सूची भी इस वेबसाइट से प्राप्त की जा सकती है।

बेरोजगार युवाओं के प्रतिभा निखारने के अवसर में बेरोजगारी भत्ता बना सहायक

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रोजगार की तलाश कर रहे युवाओं के लिए मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की पहल से शुरू की गई बेरोजगारी भत्ता योजना एक सुखद सहारा बनी है। प्रदेश के ऐसे युवा जिनकी आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं होने की वजह से उन्हें प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी सहित अन्य खर्चे उठाने में काफी परेशानी उठानी पड़ती है, इस योजना के तहत मिली राशि से वे अपनी जरूरतें पूरी कर पा रहे हैं। यह योजना अनेक युवाओं के भविष्य को एक नया आयाम देने में सहायक बन गया है।

मनेंद्रगढ़ विकासखंड के ग्राम पंचायत चैनपुर में रहने वाली सुश्री मीनू चौरसिया भी एक बेरोजगार युवा है जो प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रही हैं। उन्होंने बताया कि उनके पिताजी होटल व्यवसाय में काम करते हैं और उनके परिवार की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है। पहले उन्हें पुस्तक, स्टेशनरी और परीक्षा में शामिल होने के लिए आवश्यक जरूरतों के लिए पैसों की बहुत दिक्कत होती थी। परंतु बेरोजगारी भत्ता मिलने से उन्हें पुस्तक, कॉपी, पेन, प्रतियोगी पुस्तकें व परीक्षा फॉर्म भरने में काफी मदद मिल रही है। उन्होंने यूट्यूब में पढ़ाई करने के लिये नेट रिचार्ज भी कराया है। सुश्री चौरसिया ने बताया कि उन्हें अब आर्थिक रूप से परिजनों पर आश्रित नहीं रहना पड़ रहा है। उन्होंने अभी श्रम विभाग में नियुक्ति के लिए आवेदन किया है। योजनांतर्गत सहायता राशि प्रदान करने के लिये उन्होंने मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल को धन्यवाद दिया है।

इसी तरह कोरबा शहरी क्षेत्र स्थित काशीनगर की रहने वाली सुश्री राजलक्ष्मी राठौर ने बताया कि वह एमएससी बायोटेक्नोलॉजी की पढ़ाई पूर्ण करने के बाद शासकीय नौकरी प्राप्त करने के लिए प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रही है। अभी वह यूजीसी नेट, शिक्षक भर्ती परीक्षा सहित अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रही हैं। उनकी इच्छा है कि एक अच्छी नौकरी हासिल कर परिवार की आर्थिक स्थिति को मजबूत बनाने में अपने पिता का सहयोग करें एवं अपने माता-पिता का नाम रौशन करें, लेकिन उनके परिवार की आर्थिक स्थिति उनके इरादों के बीच रुकावट बन रही थी। उन्होंने बताया कि उनके परिवार में 4 सदस्य हैं। उनके पिता एक स्टाम्प वेंडर हैं, उनकी आय बहुत कम है। साथ ही घर में उनके पिता ही एक मात्र कमाने वाले सदस्य हैं। उनकी आय से घर की दैनिक आवश्यकताओं की पूर्ति के साथ परिवार की सदस्यों की जरूरतें पूरी करने में ही खर्च हो जाती है।

गौरतलब है कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने 31 मई को अपने निवास कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में बेरोजगारी भत्ता योजना के एक लाख 5 हजार 395 हितग्राहियों के खाते में 32 करोड़ 35 लाख 25 हजार रूपए की राशि का ऑनलाईन अंतरण किया। इन हितग्राहियों में 66 हजार 185 हितग्राहियों को, जिन्हें माह अप्रैल में प्रथम किश्त की राशि जारी की गई थी, उन्हें आज द्वितीय किश्त के रूप में 16 करोड़ 54 लाख 62 हजार 500 रूपए, 24 हजार 15 हितग्राहियों को जिन्होंने 30 अप्रैल 2023 तक आवेदन किया था, उन्हें माह अप्रैल और मई दोनों माह की बेरोजगारी भत्ते की किश्त के रूप में 12 करोड़ 75 हजार रूपए की राशि जारी की गई।

अखिल भारतीय नृत्य महोत्सव में छाई भिलाई की बेटियां, ग्रुप डांस में मिला फर्स्ट पोजिशन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। जबलपुर मध्यप्रदेश में अयोजित अखिल भारतीय संगीत प्रतियोगिता व नृत्य महोत्सव में भिलाई की बेटियों ने कमाल की फरफार्मेंस दिखाई। भिलाई के डांस ग्ररुप ने यहां पहला स्थान प्राप्त किया। भिलाई की ग्ररुप ने शानदार नृत्य की प्रस्तुति देते हुए अपने ग्ररुप में पहला स्थान पाया।

इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले ग्ररुप में साध्या अग्रवल, माननी अग्रवाल, अनविता अग्रवाल, तनशी कुलश्रेष्ठ, पलराम चौधरी आदि शामिल है। प्रतियोगिता जीतने पर भिलाई के ग्ररुप को प्रशस्ती पत्र देकर सम्मानित किया गया। भिलाई की बेटियों इस सफलता से पूरा भिलाई शहर गौरवान्वित है।

नाम परिवर्तन

मैं विन्नी अरोरा उम्र 48 वर्ष पति श्री ओम प्रकाश न्यू खुर्सीपार शनि मंदिर के पास, भिलाई तह. व जिला-दुर्ग (छ.ग.) की निवासी हूं। मेरे स्कूल प्रमाणपत्र व पहचान पत्र में मेरा नाम दीपमाला है तथा आधार कार्ड में मेरा नाम विन्नी अरोरा दर्ज है। यह कि दीपमाला अरोरा एवं विन्नी अरोरा एक ही व्यक्ति अर्थात मेरा ही नाम है। अलग अलग अर्थात किसी अन्य का नाम नही है। समस्त शासकीय व अर्द्धशासकीय कागजातों में मुझे विन्नी अरोरा के नाम से ही जाना व पहचाना जावें।

विन्नी अरोरा
न्यू खुर्सीपार शनि मंदिर के पास,
भिलाई तह. व जिला-दुर्ग (छ.ग.)

आंजनेय यूनिवर्सिटी में शोध अनुदान लेखन पर व्याख्यान का आयोजन

रायपुर। आंजनेय यूनिवर्सिटी में शोध को बढ़ावा देने के लिए शोध अनुदान हेतु प्रस्ताव कैसे लिखें विषय पर एक दिवसीय व्याख्यान का आयोजन किया गया. विषय विशेषज्ञ के रूप में डॉ. स्वर्नाली दास पॉल मौजूद रहीं. उन्होंने कहा कि शोध पत्र और शोध अनुदान के लिए लिखना दो अलग ङ्क अलग कार्य हैं. शोध अनुदान के लिए प्रस्ताव भेजने से पहले हमें ऐसे विषय का चयन करना चाहिए जिसमे हमारी विशेषज्ञता हो या पूर्व में कोई प्रकाशन हो, नए क्षेत्र में पहल न करें. डॉ. पॉल प्रस्तावना लेखन के सम्बन्ध में बताते हुए कहा कि शीर्षक संक्षिप्त या विस्तार में न हो एवं प्रस्तावना के साथ उदेश्य को भी जोड़कर लिखना चाहिए।

खास-खबर

कोयला लोड ट्रेलर से टक्कर के बाद लगी आग, दोनों वाहन जलकर खाक, जिंदा जले ड्राइवर हेल्पर

जांजगीर-चांपा। छत्तीसगढ़ के जांजगीर-चांपा जिले में गुरुवार देर रात कोयला लोड कर आ रहे ट्रेलर और ट्रक की भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों वाहनों में आग लग गई। हादसे में एक ट्रक के चालक और खलासी की जिंदा जलने से मौत हो गई। इस दौरान ट्रक चालक और खलासी को बाहर निकलने का मौका तक नहीं मिला। वहीं ट्रेलर का चालक और खलासी दोनों कूदकर भाग निकले। हादसे में दोनों वाहन जलकर खाक हो गए हैं। हादसा चांपा थाना क्षेत्र में हुआ है।

मिली जानकारी के मुताबिक, चांपा-कोरबा रोड पर स्थित केके ढाबा के पास शुक्रवार रात करीब एक बजे ट्रक और ट्रेलर की जोरदार टक्कर हुई थी। चांपा स्थित प्लास्टिक फैक्ट्री से ट्रक प्लास्टिक का पाइप लोडकर लछनपुर निवासी चालक भुनेश्वर सिंह (32) और हेल्पर नीरज यादव (30) पेंड्रा जाने के लिए निकले थे। वहीं दूसरी ओर से ट्रेलर कोयला लोडकर कोरबा से चांपा की ओर जा रहा था। तभी दोनों वाहनों में आमने-सामने टक्क हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ट्रक 50 फीट तक पीछे जा गिरा। टक्कर लगते ही दोनों वाहनों में आग लग गई। इस दौरान ट्रक का चालक और खलासी केबिन में ही फंस गए। दोनों बाहर ही नहीं निकल सके और उसी में जिंदा जल गए। वहीं ट्रेलर चालक ने किसी तरह केबिन से निकल कर अपनी जान बचाई। सूचना मिलने पर पुलिस पहुंची और फायर ब्रिगेड को बुलाया करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद दमकल की गाडियां आग पर काबू पा सकीं। इसके बाद क्रेन की मदद से ट्रक में फंसे दोनों शवों को निकलवाकर पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

बिजली विभाग के दफ्तर में घुसकर की मारपीट व तोड़फोड़ मामला दर्ज

रायपुर (ए)। रायपुर में बिजली विभाग के दफ्तर में घुसकर मारपीट और तोड़फोड़ का मामला सामने आया है। ये घटना खमतराई थाना क्षेत्र में की है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ शासकीय कार्य में बाधा, बलवा सहित अन्य गंभीर धाराओं के तहत अपराध कायम कर जांच शुरू कर दी है। आरोपितों द्वारा बाहर खड़ी बाइक भी तोड़ दी गई। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने मामला शांत करवाया। वहीं कुछ आरोपितों को हिरासत में लिया गया है।दरअसल, खमतराई थाने में अमित कुमार यादव ने रिपोर्ट दर्ज करवाई। प्रार्थी ने बताया कि वह विगत 12 वर्षो छत्तीसगढ राज्य विद्युत कंपनी मर्यादित भनपुरी जोन कार्यालय में काम कर रहा है। वे उक्त कार्यालय मे परिचारक श्रेणी एक के पद पर पदस्थ है। अमित ने बताया कि 15-16 जून की रात करीबन 12 बजे बजे कार्यालय में शरद साहू, नरेंद्र साहू, रजत वर्मा, चंद्रकांत वर्मा, डागेश्वर साहू व अन्य भनपुरी सब स्टेशन पहुंचे। प्रार्थी सहित अन्य स्टाफ से गाली-गलौज करने लगे। इसके बाद वहां के कर्मचारी से मारपीट करने लगे। शासकीय शिकायत रजिस्टर को फेंकने व कार्यालय के टेबल कुर्सी, काल सेंटर का फोन कर्मचारियों की बाइक और विभाग द्वारा अधिगृहित वाहन, मोबाइल बैटरी चार्जर आदि में तोड़फोड़ की गई। लाइन कट होने से नाराज थेबिजली कार्यालय में शरद साहू, नरेंद्र साहू, रजत वर्मा, चंद्रकांत वर्मा एवं डागेश्वर साहू सभी निवासी उरकुरा व आस-पास के अन्य लोगों के साथ पहुंचे। वहां पहुंचकर यहां का इंचार्ज कौन है, उरकुरा बाजार चौक का लाइट क्यों बंद हैं, कहते हुए गाली-गलौज शुरू कर दी। इसके बाद जब उन्हें रोकने का प्रयास किया गया तो मारपीट कर दी। मारपीट से नाराज लोगों ने जमकर हंगामा किया। इसके बाद कार्यालय के बाहर पहुंच बैठकर नारेबाजी की। इस मामले में देर रात एफआरआर दर्ज की गई।

सरकारी नौकरी लगवाने के नाम पर लाखों की ठगी, शातिर युवती ने राजधानी में खोल रखी थी प्लेसमेंट एजेंसी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर में सरकारी नौकरी लगवाने के नाम पर बेरोजगार युवकों से लाखों की ठगी का मामला सामने आया है। यहां ठग कोई पुरुष नहीं बल्कि एक लड़की है जिसने रायपुर में बकायदा प्लेसमेंट एजेंसी खोल रखी थी। यहां सब फिक्स रेट है। 6 लाख दो और नौकरी ले जाओ। इस प्लेसमेंट एजेंसी का भांडा तब फूटा जब इसकी जानकारी वनविभाग के अफसरों को लगी। वन विभाग के अधिकारी की शिकायत पर पुलिस ने दबिश दी और ठग युवती को गिरफ्तार कर लिया।

ठगी यह खेल खेलने वाली युवती का नाम श्वेता देवांगन है जो प्लेसमेंट एजेंसी में काम करती है। अमलीडीह थाना न्यू राजेन्द्र नगर निवासी उसने वन विभाग में भर्ती के लिए प्रयास कर रहे कुछ अभ्यर्थियों को चूना लगाया। वन विभाग में भर्ती कराने का दावा करते हुए 1.5 लाख रुपए एडवांस और बाकी नौकरी लगने के बाद देने की बात कह रही थी। मंगलम सर्विसेस रूम नंबर 506 शुभम कॉर्पोरेट तेलीबांधा रायपुर के संचालिका द्वारा वन विभाग में भर्ती कराने के लिये 1,50,000 रूपये एडवांस व नियुक्ति सूची में लाने के लिए 5,00,000 रूपए मांगे जाने की बात कही गई।

युवती ने यह भी कहा कि उसे 17 लोगो का टारगेट मिला है जिसमें से 13 लोगो से बातचीत कर सेटल हो गया। इसका विडियो वायरल हुआ जिसमें लडकी नौकरी दिलाने का दावा कर रही थी। इस घटना से वन विभाग मे हो रही भर्ती प्रकिया के सबंध में लोगो में तरह तरह की भ्रांतियां हो रही है विभाग की बदनामी हो रही थी। वन विभाग में वन परिक्षेत्राधिकारी साधेलाल बंजारे को जब पता चला कि उनके विभाग में भर्ती के लिए रायपुर में एजेंसी काम कर रही है। इसके बाद उन्होंने शिकायत की तो युवती को गिरफ्तार किया गया।

नौकरी नहीं लगती तो वापस कर देते रुपए

पुलिस की गिरफ्त में आने के बाद ठग युवती ने पूछताछ में बताया कि नौकरी नहीं लगने पर वह सभी के रुपए वापस कर देती। युवती ने खुलासा किया कि उसकी कोई सेटिंग नहीं है। जिसने भी उसे एडवांस दिया वे रुपए देने के बाद भर्ती प्रक्रिया से गुजरेंगे। इनमें जिसका सेलेक्शन हो जाएगा उससे बाकी के रूपए ले लेंगे और जिसका नहीं होगा उसके रुपए उसे लौटा देंगे। इस तरह की प्लानिंग के साथ ठग युवती ने यह सारा कांड किया। इस मामले ममें तेलीबांधा पुलिस ने लड़की के खिलाफधारा 420 के तहत केस दर्ज कर शुक्रवार को उसे गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने लड़की के पास से लैपटॉप, कम्प्यूटर, वनरक्षक भर्ती संबंधित आवेदन, मोबाईल फोन, रजिस्टर जब्त किया है। वहीं पुलिस इस रैकेट में शामिल अन्य लोगों की तलाश भी कर रही है।

नौकरी के नाम पर ठगी करने वाले दो आरोपी पकड़ाए

एक अन्य मामले में पुलिस ने नौकरी लगाने का झांसा देकर लाखों रुपए की ठगी करने वाले 2 फरार बदमाशों को गिरफ्तार किया है। यह मामला मण्डी निरीक्षक के पद पर नौकरी लगाने से जुड़ा है। बदमाश मंत्री अमरजीत भगत के साथ काम करने अपनी पहचान बड़े अधिकारियों से होना बताकर ठगी कर रहे थे। इस मामले में इन्होंने 8 लाख 15 हजार रुपए ठगे थे। मामले में पहले अशोक सोनी और राजकुमार पटेल को पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर चुकी थी। अब आरोपी अंशुल कुमार सोनी और इसके साथी हलधर वर्मा को गिरफ्तार किया है।

बदमाश ने प्यार का झांसा देकर वाट्सएप कॉल के जरिए बनाया अश्लील वीडियो

अश्लील वीडियो रिकार्ड कर किया ब्लैकमेल, आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

जांजगीर-चांपा। छत्तीसगढ़ के जांजगीर-चांपा जिले में युवती का अश्लील वीडियो बनाकर उसे ब्लैकमेल करने का मामला सामने आया है। बदमाश ने पहले युवती को अपने प्यार के जाल में फंसाया और वाट्सएप वीडियो कॉल पर न्यूड होने का दबाव बनाने लगा। दबाव में लड़की ने बदमाश की बात मान ली तो उसने अश्लील वीडियो रिकार्ड भी कर लिया। इसके बाद वीडियो की आड़ में ब्लैकमेल कर रुपए की डिमांड करने लगा। तंग आकर लड़की ने पहले परिजनों को सारी बात बताई और उसके बाद थाने में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के बाद पुलिस ने बदमाश को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

मिली जानकारी के अनुसार इसकी शुरुआत करीब चार साल पहले हुई थी। सोनू उर्फ वीरेंद्र लहरे की लड़की से पहचान हुई। किसी तरह से उसने लड़की का मोबाइल नंबर पता किया और कॉल करने लगा। कॉलिंग के जरिए उसने लड़की को प्रपोज कर दिया और शादी करने की इच्छा जताई। लड़की इसके झांसे में आ गई। इसके बाद बदमाश ने अश्लील वीडियो के लिए लड़की पर दबाव बनाना शुरू कर दिया। लड़की के मना करने पर उनके बीच के रिश्ते को परिजनों को बताने की धमकी देने लगा।

युवक की इस तरह धमकाने से लड़की डर गई और एक दिन उसने वाट्सएप वीडियो कॉल पर न्यूड हो गई। बदमाश युवक ने उसका वीडियो रिकार्ड कर लिया और उसके बाद युवती से रुपए की डिमांड करने लगा। रुपए नहीं देने पर बदमाश ने वीडियो उसके भाई व पिता को भेज दिया। इसके बाद परिजनों ने इसकी शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के बाद आरोपी लगातार फरारी काट रहा था। इस बीच आरोपी सोनू उर्फ वीरेंद्र लहरे के उसके मामा के घर बेहरा पाली चौक पंतोरा में छिपे होने की सूचना मिली। इसके बाद पुलिस ने घेराबंदी कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

कोरबा में सिलेण्डर ब्लास्ट

अचानक रिसाव हुआ और धमाके के साथ लगी आग

कोरबा। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले की एक बस्ती में सिलेण्डर ब्लास्ट से हड़कंप मच गया। घटना यहां के मानिकपुर चौकी क्षेत्र अंतर्गत मुड़ापार बस्ती की। जुनैद खान नाम के शख्स के घर पर यह सिलेण्डर ब्लास्ट हुआ। धमाका इतना तेज था कि घर में रखे समान के परखच्चे उड़ गए। समय रहते घर के लोग बाहर निकल गए थे जिसके कारण कोई हताहत नहीं हुआ। सूचना के बाद मौके पर पहुंचे दमकलकर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

मिली जानकारी के अनुसार कोरबा के मुडापार बस्ती में शुक्रवार रात करीब 10 बजे जुनैद खान के घर पर परिवार के लोग खाना खाने बैठे थे। इसी दौरान गैस सिलेंडर के पाइप से रिसाव होने लगा और अचानक आग लपटे उठने लगी। परिवार के लोगों ने आग बुझाने का प्रयास किया लेकिन आग बढ़ती गई। यह देख सभी लोग घर से बाहर निकल गए। इसके बाद सिलेंडर में जोरदार धमाका हुआ और घर में रखे सामान के परखच्चे उड़ गए। दीवार में भी दरार आ गई। सिलेण्डर ब्लास्ट से आसपास अफरा-तफरी मच गई। सिलेण्डर ब्लास्ट से लगी आग की सूचना दमकल विभाग को दी गई। दमकलकर्मियों ने मौके पर पहुंचकर करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

बस्तर फाइटर्स की वॉर ट्रेनिंग के दौरान आईईडी ब्लास्ट, दो जवान घायल

श्रीकंचनपथ न्यूज

कांकेर। छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले में बस्तर फाइटर्स की वॉर ट्रेनिंग के दौरान शुक्रवार आईईडी ब्लास्ट हो गया। इस हादसे में दो जवान घायल हो गए। घायल जवानों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। ब्लास्ट के कारण जो पत्थर उड़े उसके टुकड़े जवानों को लगे और इस वजह से वे घायल हो गए हैं। बताया जा रहा है कि जवानों के कमर और पैर में चोटें आई हैं। जंगलवार कॉलेज में जवानों की ट्रेनिंग के दौरान यह ब्लास्ट हुआ।

मिली जानकारी के अनुसार बस्तर फाइटर्स के जवान अपनी 45 दिन की अंतिम ट्रेनिंग के दौर में हैं। इस दौरान उन्हें शुक्रवार को जंगल मे लड़ाई की ट्रेनिंग दी जा रही थी। जवानों के ऊपर से लगातार गोलियां बरसाई जा रही थीं। वही उनके नजदीक आईईडी भी ब्लास्ट हो रहे थे। इसी दौरान जवान शंकर लाल और ललित कुमार के कमर व पैर में ब्लास्ट के कारण उड़े पत्थर के टुकड़े जा लगे। पत्थरों से चोट लगने के कारण दोनों जवानों का काफी खून बहने लगा। इस पर दोनों जवानों को तत्काल ही एंबुलेंस से जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया जा रहा है कि वहां दोनों जवानों की हालत स्थिर बनी हुई है।

स्कार्पियो और बस में टक्कर, प्रदेश कांग्रेस सचिव और उनकी पत्नी सहित 3 की हालत गंभीर

श्रीकंचनपथ न्यूज

मुंगेली। छत्तीसगढ़ के मुंगेली जिले में शुक्रवार को तेज रफ्तार बस व स्कार्पियो की टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि स्कॉर्पियो बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे में कांग्रेस प्रदेश सचिव घनश्याम वर्मा और उनकी जिला पंचायत सदस्य पत्नी जागेश्वरी वर्मा सहित तीन लोग घायल हो गए हैं। मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने कार की छत काटकर उन्हें बाहर निकाला। हादसे की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस मदद से घायलों को अस्पताल भिजवाया। तीनों को शुरुआती जांच के बाद बिलासपुर रेफर कर दिया गया है।

मिली जानकारी के अनुसार कांग्रेस प्रदेश सचिव घनश्याम वर्मा अपनी पत्नी और मुंगेली जिला पंचायत सदस्य जागेश्वरी वर्मा के साथ स्कार्पियो में पथरिया से सरगांव जा रहे थे। स्कॉर्पियो को उसका ड्राइवर चला रहा था। अभी यह सभी सरगांव थाना क्षेत्र के बावली गांव के पास पहुंचे ही थे कि तेज रफ्तार बस से उनकी गाड़ी भिड़ गई। टक्कर लगते ही उनकी स्कॉर्पियो पलटते हुए खेत में जा गिरी। इससे कार बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई।

हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और पुलस को सूचना दी गई। इसके बाद ग्रामीणों ने कार की छत को काटकर कांग्रेस नेता व उसकी पत्नी तथा ड्राइवर को बाहर निकाला। कुछ देर में पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। इसके बाद तीनों घायलों को सरगांव अस्पताल ले जाया गया। जहां तीनों की हालत गंभीर देखकर बिलासपुर रेफर कर दिया गया है। हादसे के बाद बस का चालक वहां से फरार हो गया। पुलिस ने मौके से बस को जब्त कर लिया।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता, लो.नि.वि. (भ/स) संभाग, बेमेतरा

निविदा आमंत्रण सूचना

क्रमांक - 3934/NIT-8/ 2023-24/ व.ले.लि. दिनांक 14.06.2023

निविदा प्रपत्र क्रय करने हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि :- 23.06.2023 अपरान्ह 5.30 बजे तक

ठेकेदारों द्वारा प्रस्तुत निविदायें प्राप्त करने की अंतिम तिथि :- 28.06.2023 अपरान्ह 5.30 बजे तक

निविदा खोलने की तिथि :- 30.06.2023 पूर्वान्ह 11.30 बजे से

एनआईटी क्र. निविदा क्र.	कार्य का नाम /	कार्य की अनुमानित लागत (लाख में) अमानत राशि(रू.में.)
1	2	3
8 T0072	जिला बेमेतरा के ग्राम पंचायत भवन नेवसा पहुंच मार्ग ल. 245 मीटर	19.21 15000.00
8 T0073	जिला बेमेतरा नवागढ़ रामेश्वर साहू के घर से बी.एस.एन.एल. पहुंच मार्ग ल. 250 मीटर	19.59 15000.00
8 T0074	जिला बेमेतरा के मुख्य मार्ग से माध्यमिक शाला बाघुल मार्ग ल. 320 मीटर	19.91 15000.00
8 T0075	जिला बेमेतरा के चोवाराम साहू के घर से मिडिल स्कूल भवन ग्राम नेवसा पहुंच मार्ग का शेष निर्माण कार्य ल. 255 मीटर	14.41 11000.00

निविदा संबंधी शर्तों का अवलोकन संभागीय कार्यालय में किया जा सकता है।

जी-02405/5

कार्यपालन अभियंता
लो.नि.वि. (भ/स) संभाग, बेमेतरा

सेक्टर-6 एंव रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Galaxy Granite
WholeSaler & Retailer
रायपुर से कम दामों में
All Type Of Tiles : Wall Tiles, Floor Tiles, Granite Sanitary & Null Fitting
सभी प्रकार के टाईल्स और ग्रेनाईट मिलने का एक मात्र स्थान
कोई भी टाईल्स लेने से पहले एक बार अवश्य पधारे...
Raja Steel Traders, Krishna Talkies, Road, Side of ZEE Maha Sale, Risali, Bhilai - 490006
K.K. Soni - 77479-88643, 9109509095

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षों से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध
Rakesh Sahu
9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

House of tiles
Complete Range of Tiles, Marble And Granite in One Shop
KESWANI TILSE
कृष्णा टाकिज रोड, राजा स्टील के सामने, रिसाली, भिलाई (छ.ग.)
Mo. _- 82349 - 21000

भिलाई की सबसे बड़ी चुड़ी की दुकान
निखार बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

भारतीय बैग हाउस
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
VIP happy journey
AMERICAN TOURISTER
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

बढ़ा मानदेय, बढ़ा मान
हर वर्ग को मिला सम्मान

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता
6,500 से बढ़ाकर
10,000 रुपये

मिनी आंगनबाड़ी कार्यकर्ता
4,500 से बढ़ाकर
7,500 रुपये

आंगनबाड़ी सहायिका
3,250 से बढ़ाकर
5,000 रुपये

ग्राम कोटवार
न्यूनतम 3,000 से
6,000 रुपये

मध्यान्ह भोजन रसोईया
1,500 से बढ़ाकर
1,800 रुपये

स्कूल स्वच्छताकर्मी
2,500 से बढ़ाकर
2,800 रुपये

मितानिन
राज्य मद से अतिरिक्त
2,200 रुपये

ग्राम पटेल
2,000 से बढ़ाकर
3,000 रुपये

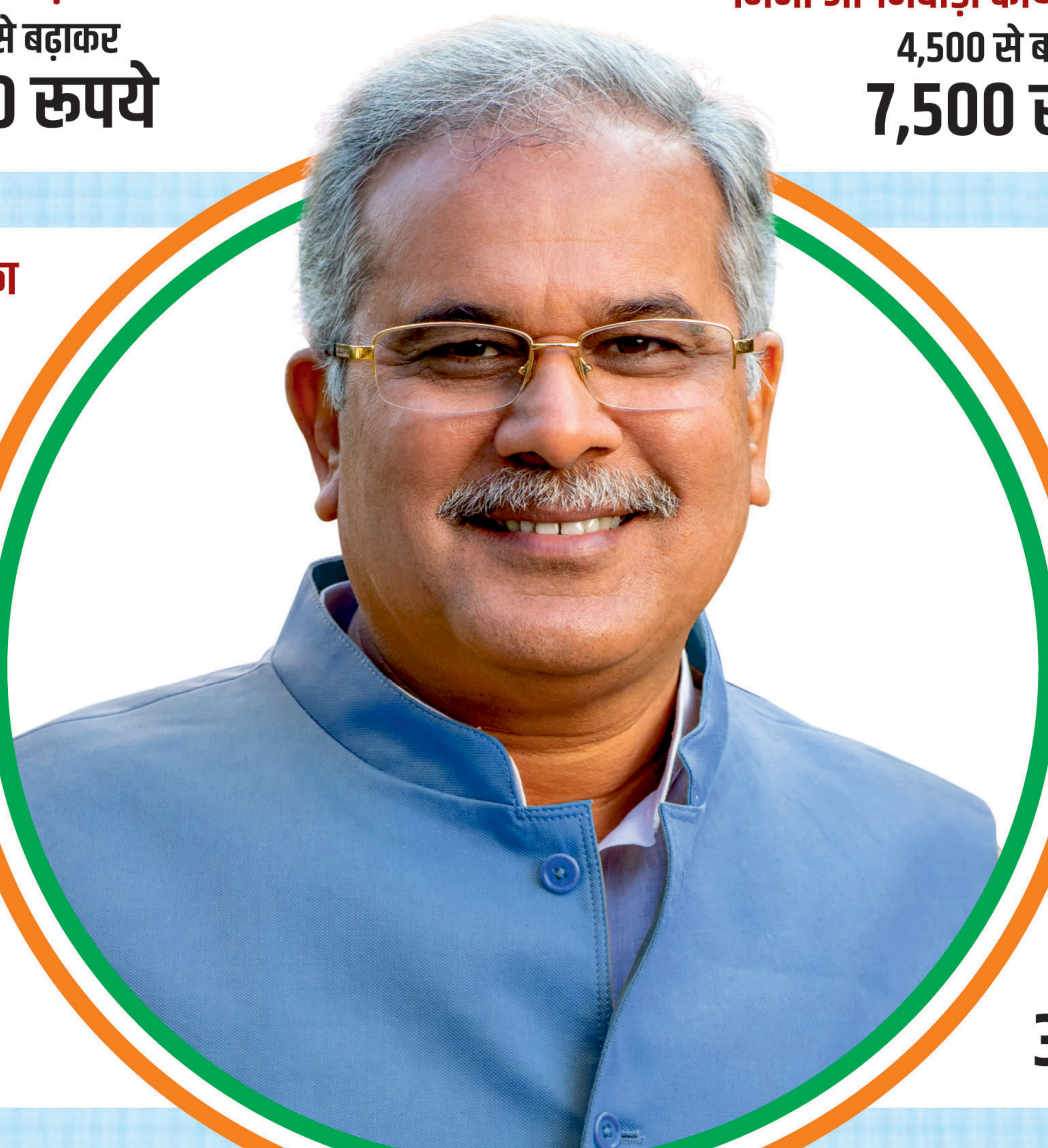

होमगार्ड जवान
न्यूनतम 6,300 से
अधिकतम 6,420 रुपये तक वेतन वृद्धि

वृद्ध, विधवा, निराश्रित पेंशन
350 से बढ़ाकर
500 रुपये

"नवा छत्तीसगढ़ के निर्माण में प्रदेश का प्रत्येक व्यक्ति भागीदार है। हमारा लक्ष्य है कि सभी वर्गों की आय बढ़े ताकि हर व्यक्ति खुशहाल जीवन जी सके, इसलिए सभी वर्गों के मानदेय में हमने वृद्धि की है। हमारी सरकार अंतिम व्यक्ति तक न्याय सुनिश्चित करने के लिए संकल्पित है।"

- भूपेश बघेल मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

RO-37376/1

Visit us : ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO DPRChhattisgarh DPRChhattisgarh www.dprcg.gov.in छत्तीसगढ़ जनसम्पर्क

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950